www.swadeshjyoti.com

मौसम

	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	28.2	23.3
इंदौर	27.0	22.3
जबलपुर	31.4	25.6
ग्वालियर	34.0	27.1
सागर	30.1	23.4

स्वदेश ज्योति

खेल ▸▸ 7

ताइपे ओपन : तन्वी सबसे कम उम्र की चैंपियन

सागर, मंगलवार 4 अगस्त, 2026 ■ श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत् 2083 ■ सागर वर्ष 26 ■ अंक 339 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य 2 रुपए ■

सावन के पहले सोमवार पर शिवमय हुआ मध्य प्रदेश

उज्जैन में 'चंद्रमौलेश्वर' स्वरूप में निकली बाबा महाकाल की सवारी

एजेंसी, उज्जैन

सावन मास के पहले सोमवार पर पूरे मध्यप्रदेश में शिवभक्ति का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। उज्जैन में बाबा महाकाल की सवारी धूमधाम से निकली। भगवान महाकाल 'चंद्रमौलेश्वर' स्वरूप में चांदी की पालकी में सवार होकर प्रजा का हाल जानने निकले। दोपहर तक 3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। ओंकारेश्वर, मंदसौर के पशुपतिनाथ और भोजपुर समेत प्रदेश भर के शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सावन के पहले सोमवार के पावन अवसर पर उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में देर रात 2:30 बजे पट खोलकर भस्म आरती संपन्न की गई। दूध, दही, पंचामृत और भांग से राजाधिराज स्वरूप में विशेष श्रृंगार के बाद दोपहर में बाबा महाकाल की शाही सवारी गाजे-बाजे के साथ रवाना हुई। भगवान महाकाल चांदी की पालकी में 'चंद्रमौलेश्वर' और हाथी पर 'मनमहेश' रूप में विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले। दोपहर 1:30 बजे तक 3,05,797 से अधिक श्रद्धालु नंदी हॉल और कार्तिक मंडपम के माध्यम से दर्शन कर चुके हैं। पूरा मार्ग 'हर-हर महादेव' और 'जय श्री महाकाल' के उद्घोषों से गूंज उठा।

ओंकारेश्वर, पशुपतिनाथ और भोजपुर में भक्तों का तांता

उज्जैन के साथ-साथ खंडवा स्थित ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग में भी बाबा की शाही सवारी गौमुख घाट और कोटितीर्थ पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। मंदसौर के विश्व प्रसिद्ध अष्टमुखी पशुपतिनाथ मंदिर और रायसेन के ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर में भी सुबह से ही आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भोजपुर में दोपहर तक करीब 30 हजार से अधिक श्रद्धालु जलाभिषेक किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पुलिस व मंदिर प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

प्रदेशभर में कांवड़ यात्राओं की धूम, शिवालयों में लगीं कतारें

सावन के प्रथम सोमवार पर राज्यभर में कांवड़ यात्राओं को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। नर्मदापुरम के सेठानी घाट से पवित्र नर्मदा जल लेकर बड़ी संख्या में कांवड़िए पचमढ़ी स्थित जटाशंकर महादेव के लिए रवाना हुए हैं। इसके अतिरिक्त भोपाल, ग्वालियर के अचलेश्वर महादेव, खजुराहो के मतंगेश्वर धाम और बांदकपुर के जागेश्वर धाम सहित आष्टा, उमरिया व श्योपुर के स्थानीय शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हुई हैं।

सार समाचार

विली वॉल्श ने इंडिगो के सीईओ का पदभार संभाला

नई दिल्ली। विली वॉल्श ने देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार सोमवार को संभाला लिया। वॉल्श एक पायलट और विमानन उद्योग के अनुभवी लीडर हैं, जिन्होंने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक का अपना कार्यकाल पूरा किया है। इंडिगो ने 31 मार्च को उन्हें अपना सीईओ नियुक्त किया था।

कावेरी जल विवाद फिर सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा

नई दिल्ली। कावेरी जल विवाद मामला एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच गया है। तमिलनाडु सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेशों के बावजूद कर्नाटक की ओर से निर्धारित मात्रा में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। तमिलनाडु सरकार की याचिका में कहा गया है कि कर्नाटक के जलाशयों में पानी की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होने के बावजूद उसे उसका उचित हिस्सा नहीं दिया जा रहा है।

दिल्ली के पूर्व विधायक बाल्यान को राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान को

मकोका केस में दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिल पाई। न्यायमूर्ति मनोज जैन ने बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने 27 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस केस में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 5 मई 2025 को दिल्ली पुलिस की बाल्यान समेत पांच आरोपितों के खिलाफ दाखिल पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था।

तृणमूल के फ्रीज खातों के मामले में सुनवाई 11 को

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से पूछा है कि क्या तृणमूल कांग्रेस के फ्रीज खातों से सीमित राशि दैनिक खर्चों के लिए कोर्ट की ओर से नियुक्त प्रशासक को जारी की जा सकती है। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को करने का आदेश दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को सुनवाई के दौरान ईडी को सुझाव दिया कि प्रशासन को कुछ राशि जारी कर दीजिए ताकि वो पार्टी रोजमर्रा के कामकाज का संचालन कर सकें। इस पर ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि यह राशि पहले से उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने बैतूल में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वीसी में किसानों से किया संवाद

खेती की नई तकनीक से मप्र के किसान होंगे समृद्ध: मुख्यमंत्री

- मध्यप्रदेश को बागवानी फसल विकास में मिला पहला पुरस्कार
- कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्ध

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेती की नई तकनीकें ही किसानों की समृद्धि का नया द्वार हैं। किसान जितना अधिक नई तकनीकों, आधुनिक कृषि पद्धतियों और शासन की योजनाओं से जुड़ेंगे, उनकी आय उतनी ही बढ़ेगी और खेती अधिक लाभकारी बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्यानिकी (बागवानी) फसलों का उत्पादन बढ़ता जा रहा है। बागवानी फसलों के विकास एवं विस्तार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश का पहला पुरस्कार मध्यप्रदेश को मिला है। यह हमारी सरकार की किसानों की जिंदगी को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को बैतूल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल जिले की प्राकृतिक सम्पदा, उपजाऊ भूमि और मेहनतकश किसानों की सराहना करते हुए कहा कि जिस धरती को सूर्यपुत्री मां ताप्ती सहित सात नदियों का आशीर्वाद प्राप्त हो, वहां की उर्वरता और कृषि उत्पादन का कोई मुकाबला नहीं है। उन्होंने कहा कि यह किसानों का अपना कार्यक्रम है।

किसानों की 60% मूंग खरीदेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे इस महोत्सव का अधिकतम लाभ उठाएं, विशेषज्ञों से संवाद करें, नई तकनीकों को जानें और उन्हें अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के किसानों के हित में सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि मूंग उत्पादक किसानों की मांग को देखते हुए उपार्जन के लिए पात्र किसानों की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है। हम किसानों की 60 प्रतिशत मूंग खरीदेंगे। स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 10 अगस्त तथा मूंग उपार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2026 तक बढ़ा दी गई है। किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए खाद वितरण में लागू ई-टोकन व्यवस्था को भी हमने तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष समर्थन मूल्य के साथ बोनस देकर गेहूं का रिकॉर्ड उपार्जन किया गया है। धान उत्पादक किसानों को 4 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त सहायता दी जा रही है। प्रदेश में पहली बार कोदो-कुटकी की रिकॉर्ड खरीदी करते हुए किसानों को एक हजार रुपये प्रति क्विंटल बोनस भुगतान भी सुनिश्चित किया गया है।

जल संरक्षण और सिंचाई विस्तार प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बैतूल के दीर्घकालिक विकास के लिए जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र सरकार के साथ तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए समझौता हस्ताक्षर कर लिया गया है, इससे बैतूल, बुरहानपुर और खंडवा सहित पूरे क्षेत्र में सिंचाई क्षमता और भू-जल संरक्षण को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार खेत से बाजार तक पूरी कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। फूड प्रोसेसिंग, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग, वैल्यू एडिशन तथा कृषि निर्यात को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है और उसका एकमात्र संकल्प है कि किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य मिले तथा खेती वास्तविक अर्थों में लाभ का व्यवसाय बने।

विधानसभा उप चुनाव: भाजपा के तिवारी को 60 हजार से अधिक मत

दतिया में कांग्रेस ने सीट रखी बरकरार घनश्याम सिंह 6,016 मतों से जीते

विशेष संवाददाता, दतिया

मध्यप्रदेश की चर्चित दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना संपन्न हुई। इस उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों से हरा दिया है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार कांग्रेस के घनश्याम सिंह को 66,757 (42.39 फीसदी) वोट प्राप्त हुए और जीत हासिल की, जबकि भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 60,741 (38.57 फीसदी) वोट हासिल किए। वहीं, तीसरे स्थान पर रहे आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के दामोदर यादव 'मण्डल' को 22,527 वोट प्राप्त किए। इसके अलावा धर्मेन्द्र सिंह पंवार (राइट टु रिकॉल पार्टी)- 957 वोट, जितेन्द्र माझी (आपका गणतंत्र पार्टी)- 927, रामसिंह कुशवाह (राष्ट्रीय समानता दल)- 324, बालकिशुन विश्वकर्मा (परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया)-204, शुभम राजपूत(भारतीय सभ्यता पार्टी)-163, फोट मिले।

घनश्याम सिंह

चुनाव आयोग पर लांछन लगाने वालों के लिए आत्ममंथन का दिन

सुदेश गौड़

मध्यप्रदेश के दतिया और बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनावों के परिणाम केवल दो सीटों का राजनीतिक फैसला नहीं हैं। यह लोकतंत्र की जीत है, राष्ट्रीय स्वाभिमान की जीत है, यह राष्ट्रीय अस्मिता की जीत है और चुनाव आयोग समेत सभी संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान की जीत है। इन नतीजों ने पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग समेत अनेक संवैधानिक संस्थाओं पर लगाए जा रहे अनर्गल आरोपों की भी एक प्रकार से परीक्षा ले ली है। दोनों ही स्थानों पर भारतीय जनता पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि चुनाव आयोग वास्तव में किसी राजनीतिक दल के इशारे पर काम कर रहा होता, तो क्या ऐसे परिणाम सामने आते? हाल के वर्षों में कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बार-बार सवाल उठाए हैं। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने तो विदेश जाकर भी भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर लांछन लगाने से नहीं चूकते रहे हैं। कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर संदेह जताया गया, कभी चुनाव कार्यक्रम को लेकर आरोप लगाए गए और कभी मुख्य चुनाव आयुक्त तक को सत्तारूढ़ दल का "एजेंट" कहने में भी संकोच नहीं किया गया। किसी संवैधानिक संस्था की आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आलोचना और आरोप में अंतर होता है। आलोचना तथ्यों पर आधारित होती है, जबकि निराधार आरोप केवल राजनीतिक वातावरण को दूषित करते हैं। (शेष पेज-8)

गुजरात में भाजपा के सतीश पटेल जीते

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उप चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार सतीश पटेल ने कांग्रेस के भीखा रबारी को 30,499 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। मांजलपुर विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को उप चुनाव में 37.05 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

बांकीपुर से प्रशांत किशोर ने खाता खोला

पटना। बिहार की चर्चित बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए भाजपा के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 मतों के अंतर से पराजित किया। इस जीत के साथ प्रशांत किशोर ने सक्रिय चुनावी राजनीति में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

इंदौर के निजी अस्पताल में ली अंतिम सांस

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री पारस जैन का निधन

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल/उज्जैन

मध्यप्रदेश की राजनीति के वरिष्ठ चेहरों में शामिल भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री पारस जैन का सोमवार सुबह 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और इंदौर के ज्यूपिटर अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही भाजपा संगठन, कार्यकर्ताओं, समर्थकों और राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। दोपहर 3:00 बजे उज्जैन स्थित उनके निवास से अंतिम यात्रा निकाली गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से राजनीति में आए पारस जैन भाजपा के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं में गिने जाते थे। उन्होंने चार दशक से अधिक समय तक सक्रिय राजनीतिक जीवन जिया और उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र का लंबे समय तक प्रतिनिधित्व किया। सरल स्वभाव, सहज उपलब्धता और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के कारण वे क्षेत्र में लोकप्रिय जननेता के रूप में पहचाने जाते थे।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश

मप्र में 9 साल बाद छात्रसंघ चुनाव का रास्ता साफ, सितंबर में होंगे चुनाव

स्वदेश ज्योति संवाददाता, जबलपुर

मध्यप्रदेश में वर्ष 2017 के बाद छात्रसंघ चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद राज्य सरकार ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में सितंबर माह में छात्रसंघ चुनाव कराने की जानकारी दी है। सरकार के इस आश्वासन के बाद उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका का निराकरण कर दिया। उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद प्रदेश के नौ विश्वविद्यालयों से संबद्ध सैकड़ों महाविद्यालयों के लाखों विद्यार्थियों को छात्रसंघ चुनाव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। जबलपुर निवासी छात्र अदनान अंसारी ने प्रदेश में लंबे समय से लंबित छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर जनहित याचिका दायर की थी। सोमवार को एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार सितंबर 2026 में छात्रसंघ चुनाव कराए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व हुई सुनवाई में उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और उच्च शिक्षा विभाग से छात्रसंघ चुनाव की निश्चित तिथि, शैक्षणिक कैलेंडर तथा छात्रसंघ गठन की कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। अदालत ने स्पष्ट किया था कि केवल आश्वासनों के आधार पर मामले को लंबित नहीं रखा जा सकता। इसके बाद सरकार ने सितंबर में चुनाव कराने का प्रस्ताव अदालत के समक्ष रखा।

राऊज एवेन्यू कोर्ट का फैसला

बृजभूषण महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में बरी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों के यौन शोषण मामले में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह व भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर को सोमवार को बरी कर दिया। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने दोनों को बरी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने 2 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने 7 जुलाई 2023 को दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। दिल्ली पुलिस ने 15 जून 2023 को चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत आरोप लगाए गए थे। कोर्ट ने 10 मई 2024 को बृजभूषण के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। बृजभूषण ने फैसले का स्वागत किया है। विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि महिला पहलवान जल्द ही इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगी।

सर्वोच्च न्यायालय पैलेट गन पर दिशा-निर्देश करेगा तय

प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामले वापस ले सकती हैं राज्य सरकारें

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि दिल्ली और दूसरे राज्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज केस को खत्म या वापस ले सकेंगे। राज्य सरकार उनके खिलाफ केस को खत्म कर सकते हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने साफ किया कि पिछले आदेश में 'आपराधिक अतीत वाले' प्रदर्शनकारियों से उसका मतलब सिर्फ उनसे था जिनके खिलाफ गम्भीर और संगीन आरोप (हत्या जैसे) हैं। यानी राजनीतिक वजहों से छोटे आरोप वाले प्रदर्शनकारियों को राहत मिलेगी। सर्वोच्च न्यायालय ने ये भी साफ किया कि पैलेट गन पर हम प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देश तय करेंगे। कोर्ट ने कहा कि हम साफ करेंगे कि किन हालात में पैलेट गन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वो प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी को लेकर अपने किए गए वादे पर कायम हैं। मेहता ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ कोई आपराधिक मामले दर्ज नहीं हैं, उन्हें रिहा कर दिया गया है। इस पर याचिकाकर्ताओं की वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा कि पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल करने की मांग की है। तब मेहता ने कहा कि एफआईआर को लेकर कुछ गलतफहमी थी। सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है। सरकार समाधान निकालने पर काम कर रही है।

उपलब्धि: सिल्पकॉर्न विश्वविद्यालय में बनेगा विदेशी अध्ययन केंद्र

थाईलैंड में खुलेगा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

एजेंसी, नई दिल्ली/बैंकॉक

सुषमा स्वराज के कार्यकाल में हुई थी स्थापना

भारत और थाईलैंड के बीच सोमवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इससे शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत संबंधों को और मजबूती मिलेगी। यह समझौता दिल्ली स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और बैंकॉक स्थित सिल्पकॉर्न विश्वविद्यालय के बीच हुआ है। इस अवसर पर थाईलैंड में भारत के राजदूत पुनीत अग्रवाल ने साक्षी के रूप में सहभागिता करते हुए दोनों विश्वविद्यालयों को बधाई दी और इसे भारत एवं थाईलैंड के बीच साझा रुचि के क्षेत्रों में शैक्षणिक सहयोग के विस्तार की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। समारोह में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, सिल्पकॉर्न विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. डॉ. तनासैत डावहिरुनपत, पद्मश्री असिस्टेंट प्रो. डॉ. चिरापत प्रपंडविद्या, अमरजीव लोचन प्रो. मधुकेश्वर भट्ट सहित दोनों देशों के अनेक शिक्षाविद् एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक विरासत को जोड़ने वाला सेतु : कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि यह समझौता केवल दो विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी नहीं, बल्कि भारत और थाईलैंड के बीच ज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को जोड़ने वाला सशक्त सेतु है।

इस समझौते के अंतर्गत सिल्पकॉर्न विश्वविद्यालय में स्थापित संस्कृत अध्ययन केंद्र को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विदेशी अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस केंद्र की स्थापना पूर्व विदेश मंत्री दिवंगत सुषमा स्वराज के कार्यकाल में हुई थी। अब यह पहल विदेशों में संस्कृत, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रसार को संस्थागत स्वरूप प्रदान करेगी। बैठक में थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास द्वारा दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य प्रस्तावित सहयोग को संस्थागत समर्थन, संकाय विनिमय, छात्रवृत्ति, संस्कृत विकास योजनाओं के अंतर्गत पुस्तक सहायता तथा भारत अध्ययन एवं संस्कृत संसाधन केंद्र की स्थापना के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया गया।

इंदौर में बुजुर्गों से मारपीट वाले 'प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम' पर चला बुलडोजर

आंगनवाड़ी की जमीन पर कब्जे का भी आरोप

इंदौर। इंदौर जिले के महाराणा प्रताप नगर में स्थित प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ बेरहमी से मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद सोमवार को जिला प्रशासन और नगर निगम ने संयुक्त कार्रवाई की। बुलडोजर चलाकर अवैध रूप से संचालित पूरे आश्रम को जमींदोज कर दिया गया। जांच में यह बात भी सामने आई कि आश्रम का संचालन नगर निगम की जमीन और आंगनवाड़ी केंद्र के लिए आवंटित भवन पर कब्जा करके किया जा रहा था। इंदौर के महाराणा प्रताप नगर स्थित प्रेमाश्रय वृद्धाश्रम पर सोमवार सुबह जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। एसडीएम निधि वर्मा के नेतृत्व में पहुंची टीम ने सबसे पहले आश्रम के भीतर रखा सारा सामान सुरक्षित बाहर निकलवाया। इसके बाद जेसीबी और बुलडोजर की मदद से अवैध रूप से बनाए गए पूरे निर्माण को ढहा दिया गया।

बाबा बैजनाथ महादेव का किया मनमोहक आर्कषक श्रृंगार

आगर मालवा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को बाबा बैजनाथ महादेव का मनमोहक आर्कषक श्रृंगार मावा और सूखे मेवे से किया गया जो भक्तों के मन को मोह लिया। सोमवार को प्रातः से ही भक्तों का दर्शन के लिए तांता लगा रहा जो देर रात तक जारी रहा। आस-पास के क्षेत्र सहित दूर दूर से आए भक्तों ने बाबा बैजनाथ महादेव के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया। पुलिस व प्रशासन द्वारा चाक चौबंद व्यस्था की गई जिसकी जन मानस द्वारा सराहना की गई।

रियाज बी गौरी खान को अवॉर्ड से किया सम्मानित

आगर मालवा। उज्जैन में इंडियन ब्यूटी आर्गेनाइजेशन माही सेल्स मोनालिसा ब्यूटी पार्लर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से आगर लालमाटी की बेटी रियाज बी गौरी खान को सम्मानित किया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि टीवी सीरियल एक्ट्रेस दिया और बाती हम की संध्या राठी दीपिका सिंह थी इस दौरान दीपिका सिंह ने रियाज बी (गौरी खान) यह अवार्ड दिया। अवार्ड से सम्मानित किये जाने पर परिवार व सहेलियों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी।

आंगनवाड़ी केंद्र सासर में हुआ दस्तक अभियान का आयोजन

रतलाम। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ किरण वाडिवा ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्र सासर पर दस्तक अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष आयु समूह के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर ज्योति पाटीदार, आशा कार्यकर्ता बीजुडी हटीला तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कविता हटीला द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान 5 वर्ष तक की आयु समूह के बच्चों में कुपोषण की जांच, आयरन फोलिक एसिड का अनुपूरण, विटामिन ए घोल का अनुपूरण, दस्त रोग से बचाव हेतु ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां प्रदान की गई।

दतिया में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत पर मनाया जश्न

जीरापुर। मध्य प्रदेश विधानसभा की दतिया सीट से कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती को न्यायालय द्वारा पद से पृथक करने के बाद रिक्त हुई सीट पर 30 जुलाई को हुए उपचुनाव कि मतगणना 3 ,8, 2026 सोमवार को हुई जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को 6056 वोटों से हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल करने पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा आतिशबाजी चलाकर मिठाई बांटकर जश्न मनाकर विजय जुलूस निकाला इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सत्यनारायण सरावत, नगर अध्यक्ष तरुण चौबे, कुशलसिंह कुशवाह, लक्ष्मण सिंह राजाहेडी, निक्कू भावसार,वाहिद शाह, शिव सिंह ब्राह्मणखेड़ा, राजु बैरागी,भगवान मालवीय, रजनीश राठौर, गोकुल मालवीय, गिरिराज सिंह, पवन सेन आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में प्राथमिक शिक्षक की मौत

जीरापुर। नगर से लगभग 15 किलोमीटर दूर प्राथमिक शिक्षक की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भाटखेड़ी निवासी रामचन्द बैरागी शासकीय प्राथमिक विद्यालय पथरी संकुल केन्द्र कोडक्या में प्राथमिक शिक्षक के पद पर पदस्थ थे दिनांक 3,8, 2026 सोमवार को सुबह वह अपने गृह ग्राम भाटखेड़ी से मोटर साइकिल द्वारा अध्यापन कार्य के लिए स्कूल जा रहे थे इसी दौरान हादसा हुआ।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति दमोह जिला-दमोह (म.प्र.)

क्रमांक/मंडी/नि./26-27/712 — दमोह, दिनांक : 23.07.2026

द्वितीय आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति दमोह, जिला-दमोह में अपर संचालक भोपाल के पत्र क्र./मंडी/प्रांगण/विविध/कैंटीन/45/48/3956 भोपाल, दिनांक 30.12.2008, तथा इस संबंध में जारी दिशा निर्देशों के अनुक्रम में मंडी प्रांगण में कृषकों को निर्धारित मीनू अनुसार 5/- प्रति थाली, कृषक, हम्माल, तुलावटियों को भोजन उपलब्ध कराये जाने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल **https//mptenders.gov.in/nicgep/app** पर प्राप्त होगी। जिसका सिस्टम निविदा क्र. 2026_MPSAM_526229_1 है।

निविदाकार अपनी निविदा **https//mptenders.gov.in/nicgep/App** पोर्टल पर दिनांक 21.08.2026 तक अपलोड कर सकते हैं। उक्त निविदा में धरोहर राशि रु. 1,00,000/-निर्धारित है एवं निविदा प्रपत्र 2000/- रुपये होगी। जिसे निर्धारित प्रक्रिया अनुसार जमा करना अनिवार्य होगा। सशर्त निविदा स्वीकार नही की जावेगी, योग्य पात्रता होने पर ही ऑनलाइन निविदा खोली जावेगी उक्त निविदा किसी भी स्तर पर संशोधन अथवा निरस्त करने का अधिकार सचिव एवं भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति दमोह को होगा।

अन्य आवश्यक शर्तें एवं नियमों की जानकारी कार्यालीन समय पर मंडी कार्यालय में देखी जा सकती है, जो कि नीलामी सूचना की एक भाग होंगी।

सचिव — कृषि उपज मंडी समिति, दमोह
भारसाधक अधिकारी — कृषि उपज मंडी समिति, दमोह

म.प्र. माध्यम/127327/2026

हिन्दूजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कार्पोरेट कार्यालय: 167-169, द्वितीय तल, लिटिल माउंट मेट्रो स्टेशन, सईदेत, चेन्नई - 600015
क्षेत्रीय कार्यालय - अधिक संख्या 113, पहली मंजिल, [illegible], इंदौर, मध्य प्रदेश - 452010
Email - auction@hindujahousingfinance.com

Date of Inspection of Property: 05.08.2026 - 18.08.2026 between 11 AM to 2 PM
EMD Last date: 19.08.2026 between 10 AM to 5PM.
Date / Time of Auction: 20.08.2026 between 11 AM to 1PM.

ई-नीलामी सह बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना (परिशिष्ट - IV A) (नियम 8(6))

[illegible]

लोन अकाउंट नंबर, ऋणी का नाम, सहऋणी-/गारंटर	डिमांड नोटिस की तारीख, तारीख तक देय राशि	अचल एवं सुरक्षित संपति का विवरण	कब्जे की तारीख / आरक्षित मूल्य (रु. में) / बयाना राशि (ईएमडी)
MP/IDR/UJJN/A000000739, श्री भेरूलाल मांगीलाल, श्रीमती सयार बाई	31-07-2024, Rs.7,88,953/-	ग्राम पंचायत भवन क्रमांक 144, स्थित ग्राम बांसखेड़ी, प.ह.नं. 73/66, तहसील द्वितीय जिला। उज्जैन, एमपी, कुल क्षेत्रफल:- 2640 वर्ग. फुट. सीमाएँ - पूर्व - आम सड़क, पश्चिम - काबुल की कृषि भूमि, उत्तर - श्री नंदकिशोर का घर, दक्षिण - श्री आनंदीलाल का भूखंड	24-07-2026 Rs. 1184800/- Rs. 118480/-
MP/IDR/RTLM/A000000915, श्री नारायण सिंह, श्रीमती गजा कुंवर	26-04-2025, Rs. 779236/-	पंचायत रजिस्टर्ड नंबर 18 वाला एक मकान, पीएच नंबर 30 पर स्थित, ग्राम कंवारिया तहसील आलोट जिला रतलाम कुल क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट संपत्ति की सीमाएं:- पूर्व - भेरूलाल बैरागी का मकान, पश्चिम - सड़क और स्वयं की भूमि, उत्तर - सड़क, दक्षिण - सड़क	29-07-2025 Rs. 1327500/- Rs. 132750/-
MP/IDR/RTLM/A000000683, श्री समरथ पाटीदार, श्रीमती अनिता बाई पाटीदार	18-06-2025, Rs. 897134/-	पटवारी हल्का नंबर 43, ग्राम पंचायत का आबादी क्षेत्र पनजी हाउस नंबर 167, ग्राम दबटिया, तहसील- आलोट, जिला रतलाम, रतलाम, ग्रामीण, रतलाम, मध्य प्रदेश, भारत - 457114	09-07-2026 Rs. 1715000/- Rs. 171500/-
MP/IDR/UJJN/A000001414, श्री अमृत पुत्र नानु लाल, श्रीमती राजकुवर बाई	10-06-2025, Rs. 818648/-	मकान/प्लॉट क्रमांक 84, ग्राम खड़खड़ी, पी.एच. क्रमांक 25, तहसील तराना जिला उज्जैन (म.प्र.) पर स्थित कुल क्षेत्रफल- 1386.00 वर्ग फीट (128.76 वर्ग मीटर) सीमा - पूर्व - गली, पश्चिम - आम सड़क, उत्तर - उदय सिंह का मकान, दक्षिण - लखन, मांगीलाल, शंकर, बहादुर का प्लॉट	25-07-2026 Rs. 871500/- Rs. 87150/-
MP/MAN/MASR/A000000832, श्री घनश्याम राठौर, श्रीमती शीला राठौड़, श्रीमती प्रेम बाई राठौर	09-07-2025, Rs. 987226/-	संपत्ति एलएस नंबर 220/1, पीएच नंबर 16, ग्राम नलखेड़ा तेह मनासा, जिला नीमच (एमपी), चारभुजा मंदिर के पास, ग्रामीण, मनासा, मध्य प्रदेश, भारत - 458113 के भाग में स्थित है।	28-07-2026 Rs. 1985400/- Rs. 198540/-
MP/UJJ/AGAR/A000000855, श्री प्रेम सिंह, श्रीमती धर्मकुंवर बाई	14-06-2025, Rs. 728226/-	पिपलियाधार, राम मंदिर के पास, ग्रामीण, बड़ोद, मध्य प्रदेश, भारत - 465550	24-07-2026 Rs. 1233000/- Rs. 123300/-
MP/IDR/RTLM/A000000984, श्री बदर सिंह गुर्जर, श्रीमती भरत बाई गुर्जर	18/08/2025, Rs 901855/-	मकान नंबर 16, वार्ड नंबर 14, पटवारी हल्का नंबर 12, ग्राम लोनगी, राम मंदिर के पास, जिला रतलाम, मध्य प्रदेश, 457114,	28-07-2026 Rs. 1152000/- Rs. 115200/-
MP/IDR/RTLM/A000001182, श्री सरदार सिंह, श्रीमती कुशल बाई	11-08-2025, Rs. 500024/-	मकान नंबर 58, पटवारी नंबर 25, ग्राम रावलिया, सेतूर रोड के पास, आलोट, रतलाम, मध्य प्रदेश, 457118	30-07-2026 Rs. 637200/- Rs. 63720/-
MP/IDR/RTLM/A000001822, श्री प्रहलाद सिंह, श्री गंगा कुंवर	10-09-2025, Rs. 9,20,215/-	मकान नं 41, पटवारी हल्का नं 18, ग्राम ताजली, राम मंदिर के पास, एक प्लॉट, रतलाम, ग्रामीण, रतलाम, मध्य प्रदेश, भारत - 457114। कुल क्षेत्रफल 2280.00 वर्ग फुट। सीमा - पूर्व: गुमान सिंह जी का मकान, पश्चिम: गोरधन सिंह जी का मकान, उत्तर: मदनलाल जी का मकान, दक्षिण: आम रास्ता	28-07-2026 Rs. 1350500/- Rs. 135050/-
MP/IDR/UJJN/A000003263, श्री मदन सिंह जी, श्रीमती तेजुबाई बाई	12-10-2025, Rs. 500392/-	मकान नंबर 98 ग्राम नाहर खेड़ी तहसील तराना जिला उज्जैन म.प्र	29-07-2026 Rs. 730900/- Rs. 73090/-
MP/IDR/RTLM/A000002420, श्री कमल सिंह, श्रीमती अनुता बाई	11/08/2025, Rs 523601/-	स्थित मकान नंबर 61 (पी) ग्रीन सर्वे नंबर 266 (पी) ग्राम मोरिया ग्राम पंचायत मोरिया तहसील आलोट जिला रतलाम म.प्र. ग्रामीण, रतलाम, मध्य प्रदेश, भारत - 457114	27-07-2026 Rs. 837000/- Rs. 83700/-
MP/MAN/MASR/A000000831, श्री सुनील शर्मा, श्रीमती सरिता बाई	18-08-2025, Rs. 1029276/-	भूमि का भाग सर्वेक्षण क्रमांक 405, PH नंबर 16, ग्राम नलखेड़ा, राम मंदिर के पास, मनासा, शहरी, नीमच, मध्य प्रदेश, भारत - 458113 मापन क्षेत्र: कुल क्षेत्रफल = 1200 वर्ग फीट या 111.48 वर्ग मीटर। सीमा: पूर्व: भरत श्रम पिता चंद्रप्रकाश शर्मा का मकान, पश्चिम: सड़क, उत्तर: सड़क, दक्षिण: मोहनलाल पिता मांगीलाल राठौर की भूमि	28-07-2026 Rs. 1385100/- Rs. 138510/-
MP/MAN/MASR/A000001099, श्री श्यामलाल राठौड़, श्रीमती रेखा बाई, श्री दिलीप राठौड़	16-08-2025, Rs. 750586/-	मकान नंबर 05, वार्ड नंबर 01, पीएच नंबर 16, ग्राम नलखेड़ा, श्याम किराना स्टोर के पास और अचलपुर रोड, मनासा, ग्रामीण, मनासा, मध्य प्रदेश, भारत - 458113। माप क्षेत्र: कुल क्षेत्रफल = 689 वर्ग फुट या 64.03 वर्ग मीटर। सीमाएँ: पूर्व: देवीलाल जी सुथार का बाड़ा, पश्चिम: मथुलाल राठौड़ का घर, उत्तर: भगतराम जी पाटीदार का बाड़ा, दक्षिण: सड़क	28-07-2026 Rs. 1438200/- Rs. 143820/-
MP/SGR/SAGR/A000001092, श्रीमती गिरजा बाई रघुवंशी, श्री सुरेश रघुवंशी	11/12/2025, Rs. 7,20,944/-	खसरा नंबर 838, वार्ड नंबर 08, सम्राट अशोक वार्ड, केदनखेड़ी बायपास, बासौदा, शहरी, तहसील बासौदा, जिला विदिशा, मध्य प्रदेश, भारत, 464221, कुल क्षेत्रफल 480 वर्गफुट। सीमाएँ - पूर्व:-मालवीय जी का घर, पश्चिम:-रघुवंशी जी का घर, उत्तर-केदनखेड़ी बायपास रोड, दक्षिण - मालवीये जी का प्लॉट	29-07-2026 Rs. 2117500/- Rs. 211750/-
MP/MAN/MASR/A000001453, श्री नागेश्वर पुत्र किशनलाल, श्रीमती संपत बाई	14/01/2026, Rs 562390/-	ग्रीन सर्वे प्लॉट नंबर 117 और 93, सर्वे नंबर 150 पर, ग्राम बामण्या, हनुमान जी का ओटला के पास, आलोट, मध्य प्रदेश, ग्रामीण, तहसील आलोट, मध्य प्रदेश, भारत - 457118 कुल क्षेत्रफल = 1775 वर्गफुट परिसीमा - पूर्व - श्री प्रोसाद पुत्र श्री भंवर सिंह (ग्रीनसर्वेक्षण 113) का घर, पश्चिम - श्री मांगीलाल जी नायक का घर (ग्रीनसर्वेक्षण 100), उत्तर - श्री उमराव सिंह पुत्र श्री मांगीलाल जी डांगी का घर (ग्रीनसर्वेक्षण 89), दक्षिण - कच्चा रोड	28-07-2026 Rs. 1056600/- Rs. 105660/-
MP/MAN/MASR/A000000725, श्री श्रवण सिंह पुत्र मनोहर सिंह, श्रीमती राम कुंवर पत्नी श्रवण सिंह	14/01/2026, Rs 168654/-	मकान पंजी संख्या 08, ग्रीन पट्टा संख्या 24, सीरियल नंबर 120, पीएच नंबर 18, ग्राम आक्या, गांव की मुख्य सड़क पर स्थित एक भूखंड, मध्य प्रदेश, 457114, कुल क्षेत्रफल = 170 वर्ग मीटर (1829 वर्ग फुट)। सीमाएँ इस प्रकार हैं: पूर्व में सड़क, पश्चिम में राम सिंह पुत्र मान सिंह का मकान, उत्तर में नारायण सिंह पुत्र भंवर सिंह का मकान, दक्षिण में गोविंद सिंह पुत्र मनोहर सिंह और राम सिंह का मकान।	28-07-2026 Rs. 1612700/- Rs. 161270/-
MP/IDR/UJJN/A000001176, श्री भागीरथ जी, श्रीमती दुर्गा बाई	10-09-2025, Rs. 5,58,457/-	भूमि सर्वेक्षण क्रमांक 306/1 के भाग पर एक प्लॉट, ग्राम कालूखेड़ी, पीएच नंबर 53, तहसील घटिया, जिला उज्जैन, राम मंदिर, ग्रामीण, उज्जैन, मध्य प्रदेश, भारत - 456550 में स्थित है। माप क्षेत्र- 148.69 वर्ग मीटर। सीमा इस प्रकार है - पूर्व: श्री अरुण और श्री अर्जुन का प्लॉट, पश्चिम: श्री राजाराम, दिनेश जी का मकान, उत्तर: सड़क, दक्षिण: विक्रेता की शेष भूमि।	29-07-2026 Rs. 1112400/- Rs. 111240/-
MP/IDR/RTLM/A000001960, श्री दरबार सिंह, श्रीमती कमला कुंवर	14-06-2025, Rs. 922047/-	संपत्ति स्थित है, मकान नंबर 19, पटवारी हल्का नंबर 30, ग्राम नागदखेड़ा, राम मंदिर के पास, बहुत, रतलाम मध्य प्रदेश, 457114, ग्राम नागदखेड़ा, ग्रामीण रतलाम, मध्य प्रदेश, भारत - 457114	29-07-2026 Rs. 1261800/- Rs. 126180/-
MP/IDR/RTLM/A000001075, MP/IDR/RTLM/A000002168, श्री मदन सिंह राजपूत, श्रीमती लाड कुंवर राजपूत	16/07/2025, Rs. 1418416/-	मकान नंबर 13, पटवारी हल्का नंबर 25, ग्राम रावलिया, सेतूर रोड के पास, बहुत कुछ रतलाम, मध्य प्रदेश, 457118, मकान नंबर 13, पटवारी हल्का नंबर 25, ग्राम रावलिया, सेतूर रोड के पास, बहुत कुछ रतलाम, मध्य प्रदेश, 457118, ग्रामीण, रतलाम, मध्य प्रदेश, भारत - 457118	30-07-2026 Rs. 1773800/- Rs. 177380/-

नियम एवं शर्तें - 1. केवाईसी, टेंडर फॉर्म और स्वीकृत नियम एवं शर्तें (टेंडर दस्तावेज) के साथ बयाना राशि का डीडी जमा करने की अंतिम तिथि 19.08.2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक ऊपर उल्लिखित शाखा कार्यालय के पते पर या https://www.bankeauctions.com पर अपलोड की गई है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त निविदा दस्तावेजों को अमान्य निविदा माना जाएगा (और तदनुसार अस्वीकार कर दिया जाएगा। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा। 2. संपत्ति के लिए बोली/प्रस्ताव (नीलामी तिथि) खोलने की तिथि 20.08.2026 को https://www.bankeauctions.com पर दोपहर 03:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक है। 3 हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एचएचएफएल) ऊपर उल्लिखित संपत्ति पर लंबित किसी भी देनदारियों के लिए जिम्मेदार नहीं है। संपत्ति की नीलामी "जहां है जैसी है" "जो है जैसा है" और "जो कुछ भी है वह है" के आधार पर की जाएगी। 4. डिमांड ड्राफ्ट केवल हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में बनाया जाना चाहिए। 5. नीलामी/बोली केवल "ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक बोली" के माध्यम से वेबसाइट https://www.bankeauctions.com के माध्यम से होगी। बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे नीलामी बिक्री कार्यवाही में भाग लेने से पहले विस्तृत शर्तों के लिए वेबसाइट देखें। 6. इच्छुक बोलीदाताओं को M/S C1 India Pvt Ltd., Plot No- 68, 3rd floor Sector 44 Gurgaon Haryana -122003 (Contact no. 7291981124,25,26) Support Email - Support@bankeauctions.com , Mr. Mithlesh Kumar, Mob. +91 70868 04466. Email: delhi@c1india.com and support@bankeauctions.com पर अपना नाम पंजीकृत करना चाहिए और अपना यूजर आईडी और पासवर्ड निःशुल्क प्राप्त करना चाहिए। संभावित बोलीदाता वेबसाइट: https://www.bankeauctions.com के माध्यम से सेवा प्रदाता M/s C1 India Private Limited से ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।7. अधिक जानकारी के लिए हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी Vaibhav Shrivastava - 7987969803, Rajesh Chakaliya (RRM) - 84355 71111, Sachin Bhalekar (ZRM)- 8779984037, Dharamveer Yadav - 8269420174, या सेवा प्रदाता M/s C1 India Private Limited) Head Office : M/S C1 India Pvt Ltd., Plot No- 68, 3rd floor Sector 44 Gurgaon Haryana -122003 (Contact no. 7291981124,25,26) Support Email - Support@bankeauctions.com , Mr. Mithlesh Kumar, Mob. +91 70868 04466. Email: delhi@c1india.com and support@bankeauctions.com आज की तारीख तक, HHFL के अधिकृत अधिकारी को उपरोक्त अचल संपत्तियों / सुरक्षित परिसंपत्तियों को बेचने, अलग करने और / या निपटाने से रोकने और / या अदालत के निषेधाज्ञा का कोई आदेश नहीं है। 8. बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया लिंक वेबसाइट यानी https://www.bankeauctions.com देखें।

Date- 04.08.2026 — Authorised Officer

फसल बीमा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गुना। खरीफ मौसम 2026 के अंतर्गत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत/ग्राम स्तर पर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा कराने के लिये जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर से विधायक पन्नालाल शाक्य एवं कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने फसल बीमा रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरूकता रथ जिले की ग्राम पंचायतों एवं गांवों में पहुंचकर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी देगा तथा फसल बीमा से संबंधित शंकाओं एवं समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करेगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोड़ना तथा प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम की स्थिति में फसल नुकसान से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। कृषक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अपनी फसल का बीमा कराकर मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में इस योजना का लाभ लें।

कार्यालय कलेक्टर जिला सागर एवं पदेन अपर सचिव, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

प्रारंभिक सूचना

(देखिये धारा-11)

क्रमांक/0031/अ-82/वर्ष 2025-26/6839 — सागर, दिनांक : 27.07.2026

मौजा बरखेरागौतम प.ह.नं. 20 तह. गढ़ाकोटा जिला सागर

चूंकि पदेन अपर सचिव को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची-1 में वर्णित भूमि की राज्य शासन के विभाग संभागीय प्रबंधक म.प्र.रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर संभाग सागर द्वारा सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी माडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यक है। प्रकरण में प्राप्त सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट अनुसार सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी माडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण से सुचारू आवागमन हो जावेंगे तथा सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी माडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण से संभाव्य फायदे सामाजिक खर्च और प्रतिकूल सामाजिक समाघातों की तुलना में भी बहुत अधिक है। अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी माडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण कार्य हेतु पूर्ण रूप से उपयुक्त है, परियोजना के निर्माण से व्यापक लोकहित निहित है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अनुसार इस सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा उक्त परियोजना हेतु भूमि का अर्जन किया जाता है।

परियोजना का नाम :- सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी माडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण

भूमि का विवरण :-

1. जिला — सागर
2. तहसील — गढ़ाकोटा
3. नगरपालिका परिषद/ग्राम पंचायत — बरखेरागौतम
4. अर्जित भूमि का कुल क्षेत्रफल — 2.919 हे.

अनुसूची-1

स. क्र.	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता (राजस्व अभिलेख अनुसार)	खसरा नंबर	स्वामित्व का प्रकार	कुल क्षेत्रफल रकबा हेक्टेयर में	अर्जन का क्षेत्रफल (हे.)
1	2	3	4	5	6
1	बहादुर पिता गोकल यादव	100/1	निजी	1.03	0.101
2	संतोष पिता हरगोविंद यादव	100/2	निजी	0.12	0.026
3	संतोष पिता हरगोविंद यादव	112	निजी	1.14	0.166
4	मायारानी बेवा इन्दर उर्फ राजकुमार राघवेन्द्र गुड्डू पिता इन्दर उर्फ राजकुमार	113	निजी	0.28	0.039
5	चंद्रानी बेवा माधव यादव निकिता पिता माधव	114/1	निजी	0.58	0.082
6	विनय पिता हरगोविंद	115	निजी	0.45	0.119
7	प्रमोद पिता रामेश्वर यादव	117	निजी	1.87	0.068
8	रामेश्वर पिता मौजीलाल यादव	123	निजी	0.81	0.261
9	मुलाम पिता बेजनाथ यादव	121/2	निजी	0.80	0.037
10	अरविन्द पिता रामेश्वर यादव	120/2	निजी	1.74	0.011
11	अरविन्द पिता रामेश्वर यादव	125	निजी	0.41	0.088
12	अरविन्द पिता रामेश्वर यादव	126	निजी	0.40	0.104
13	रामजी पिता रामसेवक यादव	129	निजी	0.81	0.091
14	रामजी पिता रामसेवक यादव	184/1	निजी	2.0	0.284
15	यशवंत पिता रामसेवक यादव	184/2	निजी	1.25	0.175
16	कमलेश पिता खानजू यादव	188/1	निजी	0.81	0.041
17	राम पिता खानजू यादव	188/2	निजी	0.20	
18	राम पिता खानजू यादव	189/1	निजी	0.60	0.031
19	रामेश्वर पिता मौजीलाल यादव	189/2	निजी	0.41	0.031
20	रामेश्वर पिता मौजीलाल यादव	190	निजी	1.01	0.028
21	रामेश्वर पिता मौजीलाल यादव	191/1	निजी	0.20	0.039
22	संतोष पिता हरगोविंद यादव	192	निजी	0.81	0.024
23	कुंजन पंचम चरण अनुरूध्य सुरेन्द्र योगेंद्र पिता रामसिंह	193/1	निजी	0.40	0.062
24	सुरेन्द्र पिता रामसिंह राजपूत	193/3	निजी	1.10	0.048
25	योगेन्द्र पिता रामसिंह राजपूत	193/4	निजी	1.10	0.067
26	मनीष माधव पिता ब्रजेश माधव चौदह	176/5	निजी	1.62	0.070
27	प्रदीप पिता महादेव चौदह	176/4	निजी	4.05	0.138
28	रमेश कुमार पिता महादेव चौदह	176/3	निजी	2.43	0.083
29	बद्री पिता महादेव चौदह	176/2	निजी	4.05	0.011
30	देवीसिंह पिता रामसेवक यादव	208	निजी	0.58	0.003
31	वीरेंद पिता गयाप्रसाद यादव	207	निजी	0.95	0.049
32	मायारानी बेवा इन्दुर उर्फ राजकुमार राघवेन्द्र गुड्डू पिता इन्दुर उर्फ राजकुमार	206/1	निजी	0.011	0.008
33	शारदा बेवा राजकुमार यादव	205/2	निजी	0.05	0.005
34	उदयभान पिता हरगोविंद	202/1	निजी	1.03	0.020
35	नर्मदाप्रसाद पिता मुन्नालाल यादव	199/1	निजी	0.94	0.020
36	मुन्ना पिता परसादी कोरी	200/1	निजी	0.31	0.009
37	मुन्ना पिता परसादी कोरी	200/2	निजी	0.20	0.013
38	मुन्ना पिता परसादी कोरी	196/3	निजी	0.12	0.020
39	भागवत प्रसाद पिता गयाप्रसाद	196/1	निजी	0.80	0.024
40	जमना पिता गजराज यादव	196/2	निजी	0.08	0.010
41	जमना पिता गजराज यादव	195	निजी	0.07	0.023
42	जमना पिता गजराज यादव	283	निजी	0.81	0.029
43	जमना पिता गजराज यादव	284	निजी	0.80	0.020
44	जगतराज पिता गजराज यादव	285/1/1	निजी	0.266	0.036
45	जगतराज पिता गजराज यादव	285/1/2	निजी	0.0140	
46	देविन्द्र पिता गंगाराम दुबे	298	निजी	0.55	0.047
47	संजय कुमार पिता गंगाराम दुबे	301	निजी	0.86	0.025
48	पुरषोत्तम पिता कन्हैयालाल यादव	320/1	निजी	1.509	0.074
49	पुरषोत्तम पिता कन्हैयालाल यादव	320/2	निजी	0.0110	
50	विजय कुमार पिता गंगाराम दुबे	321/2	निजी	0.40	0.014
51	विजय कुमार पिता गंगाराम दुबे	321/1/1	निजी	0.38	0.008
52	अजय पिता गंगाराम दुबे	321/1/3	निजी	0.46	0.009
53	दुर्गा प्रसाद पिता गंगाराम दुबे	321/1/2	निजी	0.48	0.018
54	मोहन पिता कन्हैयालाल यादव बसंत पिता कन्हैयालाल यादव	322/1	निजी	0.40	0.048
55	भानूप्रताप पिता जोरावल, केशरबाई जयाबाई जशोदा जसवन्ती जानकीप्रसाद रतिराम पिता जोरावल	193/2	निजी	0.40	0.062
			कुल योग	44.961	2.919

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक-एफ 16-15-(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29/9/2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 3/10/14 के पृष्ठ क्रमांक-2895 पर प्रकाशन किया गया है के द्वारा प्रत्येक जिले में डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा और उसके सेवकों, कर्मकारों या उसके निर्देशों के अधीन कार्य करने वाले किसी अन्य व्यक्ति को उस जिले के भीतर अधिनियम की धारा 12 के उपबंधों को क्रियान्वित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। अतः उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी, भू-अर्जन शाखा सागर को अधिनियम की धारा 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये निर्देशित किया जाता है। अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा संभागीय प्रबंधक म.प्र. रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर, प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा जिला सागर के निर्देशन में कार्य करते हुये आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक-एफ 16-15-(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29/9/2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 3/10/14 के पृष्ठ क्रमांक-2895 पर प्रकाशन किया गया है के द्वारा अधिनियम की धारा 43 की उपधारा (1) के तहत भू-अर्जन शाखा के प्रभारी अधिकारी जो डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा को पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है। अतः प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा जिला सागर अधिनियम की धारा 16 के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन स्कीम तैयार कर प्रस्तुत करेंगे। इस कार्य में अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा समुचित सहयोग करेंगे एवं संभागीय प्रबंधक म.प्र. रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर समुचित सहयोग करेंगे एवं प्रशासक के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुऐ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करेंगे।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की **तारीख से 60 दिनों के भीतर** किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर के समक्ष (कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, रहली में) आक्षेप, यदि कोई हो, फाइल किए जा सकेंगे।

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा संभागीय प्रबंधक म.प्र.रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन संभाग सागर कार्यालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
हस्ता./-
(प्रतिभा पाल)
कलेक्टर जिला सागर एवं पदेन अपर सचिव मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

म.प्र. माध्यम/127318/2026

सार समाचार

24 तीर्थ क्षेत्रों पर 1008 वृक्षारोपण, जैन मिलन शाखाओं का गठन

सागर। भारतीय जैन मिलन के तत्वावधान में 24 तीर्थ क्षेत्रों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम, भगवान के 1008 नाम के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम रखा गया, जिसमें क्षेत्र 10 की शाखाओं ने भाग लेकर वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम का निर्देशन राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतिवीर कमलेंद्र जैन एवं प्रभारी क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलेश जैन दमोह रहें। श्री शांति नगर दिगंबर जैन मंदिर बण्डा, जैन तीर्थ क्षेत्र गिरारगिरी जी, दयोदय गौशाला शाहगढ,संत भवन दलपतपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसके प्रभारी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनीष विद्यार्थी, प्राचार्य रविंद्र जैन क्षेत्रीय संयोजक, संतोष जैन सेंट्रल बैंक क्षेत्रीय संयोजक, प्रदीप जैन गन्नौर क्षेत्रीय संयोजक अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जैन मिलन बैठक जिसमें मिलन गतिविधियों के विषय में, चर्चा हुई। महावीर वंदना एम मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुये, जिसमें बण्डा अध्यक्ष अरविंद जैन महुना, बरायठा युवा मिलन अध्यक्ष आशीष जैन डिग्गी, शाहगढ जैन मिलन अध्यक्ष योगेश जैन शिक्षक, दलपतपुर युवा मिलन सुबोध जैन को अध्यक्ष बनाया गया।

पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

सागर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय, शासकीय कला एवं वाणिज्य अग्रणी महाविद्यालय में पीएम उषा परियोजना सॉफ्ट कंपोनेंट तृतीय चरण के अंतर्गत 4 एवं 5 अगस्त को बुंदेलखंड पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। प्राचार्य डॉक्टर सरोज गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में महाविद्यालय के इतिहास एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य ऐतिहासिक सांस्कृतिक वैभव के धनी बुंदेलखंड अंचल में पर्यटन के नये स्वरूपों पर विचार विमर्श एवं स्थानीय रोजगार सृजन में पर्यटन के योगदान पर चर्चा करना भी है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 7 अगस्त से हर शुक्रवार अधिकारी करेंगे फील्ड दौरा

सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई व लोक सेवा गारंटी प्रकरणों का निराकरण करें

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 7 अगस्त 2026 से प्रारंभ होगा। अभियान को सफल बनाने के लिए सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए, कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए।

कमिश्नर सुचारी कमिश्नर कार्यालय में नगरीय प्रशासन एवं नगर तथा ग्राम निवेश विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान

प्रत्येक शुक्रवार को संभागीय अधिकारियों को अनिवार्य रूप से फील्ड दौरे पर जाना होगा। इसलिए जनता की शिकायतों का निराकरण पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से किया जाए।

नगरीय प्रशासन विभाग को दिए निर्देश

कमिश्नर ने कहा कि आमजन से जुड़ी मूलभूत समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से श्रमिकों को संबल योजना का लाभ समय पर मिले। भवन-भूमि नामांतरण के प्रकरण किसी भी हालत में लंबित न रहें। पूर्व में भी इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। नवीन नल कनेक्शन के प्रकरण शीघ्र निपटाए जाएं। गरीबी रेखा सूची को अपडेट रखा जाए। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाई जाए। पेयजल की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि संभाग में अभी पेयजल की स्थिति सामान्य है और कोई समस्या नहीं है। फिर भी अधिकारी सतत निगरानी रखें।

अमृत योजना और सीवरेज कार्य

कमिश्नर श्री सुचारी ने अमृत योजना के तहत शहरों में चल रहे कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने को कहा। जो कार्य अप्रारंभ हैं उन्हें शीघ्र शुरू किया जाए। लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट और सीवरेज निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। बैठक में संयुक्त आयुक्त पीसी शर्मा, कार्यपालन यंत्री नगरीय प्रशासन मेघ तिवारी, सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश एमएल कौल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय निकाय मतदाता सूची पुनरीक्षण हेतु स्टैंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

सागर। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार नगरीय निकाय मतदाता सूची पुनरीक्षण 2026 के संबंध में 3 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अविनाश रावत ने की।

बैठक में आयोग द्वारा निर्धारित मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी गई। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन उपरान्त जनप्रतिनिधियों को मतदाता सूचियों के सेट उपलब्ध कराये गये तथ मतदाता से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। उक्त आयोजित बैठक में भारतीय जनता पार्टी से रामेश्वर नामदेव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से शैलेन्द्र सिंह तोमर, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से रामचरण लंबरदार, बहुजन समाजवादी पार्टी से एसपी चौधरी एवं आम आदमी पार्टी से इंजी. डीके सिंह, रामसेवक पवार उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिला मास्टर ट्रेनर परमानंद सेन प्रशिक्षण अधिकारी तथा निर्वाचन पर्यवेक्षक स्थानीय निर्वाचन सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्वः विस्थापन प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

प्रमुख सचिव (वन) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले गांवों के विस्थापन कार्य को गति देने और पारदर्शी समीक्षा के उद्देश्य से आज प्रमुख सचिव (वन) द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में टाइगर रिजर्व क्षेत्र के शेष बचे गांवों के विस्थापन एवं परिसंपत्तियों के पारदर्शी मूल्यांकन को लेकर दिशा-निर्देश दिए। टाइगर रिजर्व में विस्थापन की शेष प्रक्रिया को समय सीमा में और तेजी से पूरा करने के लिए कहा। प्रभावित ग्रामीणों को देय मुआवजा, पुनर्वास पैकेज तथा कट-ऑफ डेट के

निर्धारण से जुड़े प्रस्तावों का त्वरित निस्तारण करने के लिए भी कहा गया है। तहसील रहली एवं देवरी के अंतर्गत आने वाले प्रभावित गांवों जैसे ग्राम मुहली, भरई, पटना मुहली आदि के पुनर्वास, मुआवजा राशि वितरण तथा कट-ऑफ डेट पुनरीक्षण से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने वन एवं राजस्व की संयुक्त टीम को स्पष्ट निर्देश दिए कि टाइगर रिजर्व के प्रभावित क्षेत्रों में बची हुई परिसंपत्तियों का त्वरित एवं सटीक मूल्यांकन/परीक्षण किया जाए तथा परीक्षण के उपरांत अतिशीघ्र प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित किए जाएं। विस्थापन एवं मुआवजा पैकेज निर्धारण प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शी एवं नियमसंगत बनाने के उद्देश्य से उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों की आयु एवं पात्रता का निर्धारण दाखिला पंजी एवं आधिकारिक दस्तावेजों के आधार पर ही किया जाए, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का हक न छूटे।

बैठक में वन मंडल अधिकारी रजनीश सिंह, भू अर्जन अधिकारी अधिकारी एवं एसडीएम देवरी मुनव्वर खान, एसडीएम रहली कुलदीप पाराशर सहित एसडीओ फॉरेस्ट उपस्थित रहे।

सिंगपुर के जंगल में पुलिस टीम पर हमला के मामले में पांच लोगों के खिलाफ केस

स्वदेश ज्योति संवाददाता, देवरीकलॉ

रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के राजा बाबा के जंगल में बहुमूल्य पत्थर और आभूषण मिलने की अफवाह के बाद खुदाई करने पहुंचे हजारों लोगों की भीड़ को हटाने पहुंची पुलिस बल पर पथराव किया था जिसमें पुलिस वाहन की कांच टूट गए थे और एक प्रधान आरक्षक घायल हो गया था। इस घटना के मामले में पुलिस ने पांच लोगों पर अपराध कायम किया है।

थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि सिंगपुर गंजन के राजा बाबा के जंगल में बहुमूल्य पत्थर छोटे-छोटे टुकड़े, कांच की गोलियां ढूंढने के लिए जगह-जगह अवैध उत्खनन कर रहे थे। वन विभाग द्वारा मना करने पर भी मान नहीं रहे थे और अभ्यारण्यय को नुकसान पहुंचा रहे थे। एसडीओपी के निर्देश पर पुलिस बल के साथ जंगल पहुंचे थे जहां देखा कि करीब 1500 लोग जगह-जगह महिलाएं पुरुष कोडली हरिया से खुदाई करते दिख रहे थे, जिसमें कुछ लोग मोटरसाइकिलों से और कुछ लोग पैदल जंगल से बाहर निकलने का प्रयास करने लगे तो तो कुछ अज्ञात उपाध्याय तत्वों ने चिल्लाकर भड़काने की कोशिश की।

इस दौरान हजारों की भीड़ गांव की तरफ और जंगल की तरफ भागने लगे, तभी झाड़ियां में शब्बीर ग्वालिया, कल्लू ग्वालिया गुड्डू ग्वालिया,डब्बू ग्वालिया, सभी निवासी कंकन टोला,अन्नू ग्वालिया निवासी देवरी सभी हाथों में जंगल की लड़कियां और पत्थर लेकर झाड़ियां से एकमत होकर पुलिस बल के साथ मारपीट करने के लिए बाहर आए और चिल्लाते हुए पत्थर फेंकने लगे,जिसमें अन्नु ग्वालिया ने राजा सिंह दांगी प्रधान आरक्षक के सिर में लकड़ी मारी अन्य लोगों ने पुलिस बल पर पत्थर और लकड़ियों से हमला किया।

इस दौरान उनके एक साइड आंख में नीचे चोट पहुंची। पुलिस का वाहन क्रमांक एमपी 15 टी 3818 पर पथराव किया जिससे पीछे और आगे के कांच फूट कर क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने प्रधान आरक्षक राजा से दांगी की रिपोर्ट पर पांच लोगों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 132(1), 211(1), 151(2), 1511(3), 190, 324(3), 324(4) के तहत मामला कर जल्द ही गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

205 विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री, 28 छात्र-छात्राओं को साइकिल, 160 महिलाओं को साड़ियां वितरण की

स्वदेश ज्योति संवाददाता, मालथौन

पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज ने कहा कि समाज का वास्तविक सम्मान वही है, जो जरूरतमंदों के जीवन में उपयोगी सिद्ध हो। इसी सोच के साथ पूर्व गृह मंत्री एवं खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह द्वारा प्रारंभ की गई 'सम्मान जो समाज के काम आए' पहल के अंतर्गत प्राप्त होने वाली उपयोगी सामग्री लगातार विद्यार्थियों, महिलाओं एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाई जा रही है।

इसी क्रम में ग्राम अटाकार्नेलगढ़ के किला परिसर स्थित ग्राम पंचायत

कार्यालय के समीप आयोजित कार्यक्रम में 205 विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री, 28 छात्र-छात्राओं को साइकिल, 160 महिलाओं को साड़ियां, 150 जरूरतमंद परिवारों को कंबल, 90 लोगों को छाते, 20 परिवारों को चटाइयां तथा हनुमान मंदिर के लिए एक रामायण और 36 सुंदरकांड की पुस्तकें वितरित की गईं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता का सबसे सशक्त माध्यम है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों को शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। ऐसे में साइकिल मिलने से उनकी पढ़ाई सुगम होगी और वे नियमित रूप से विद्यालय पहुंच सकेंगी। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इन सुविधाओं का पूरा लाभ उठाकर मन लगाकर अध्ययन करें, अपने माता-पिता, गांव और क्षेत्र का नाम रोशन करें व भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पहचान बनाएं।

कांग्रेस सेवादल की ब्लॉक स्तरीय बैठक

देवरीकला। कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष बी. डी. पटेल की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने, बूथ स्तर तक संगठन के विस्तार तथा कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बी. डी. पटेल ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा, समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही जनता की आवाज़ को प्रभावी ढंग से उठाने का माध्यम बनता है।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती मनाई

सागर। श्री गहोई नवयुवक मंडल के तत्वावधान में गहोई समाज द्वारा राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती संकल्प सेवा दिवस के रूप में मनाई।

सामाजिक बंधुओं ने श्री सीताराम रसोई में आयोजित समारोह में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया। तत्पश्चात वृद्धजनों रद्दएवं निराश्रितजनों को भोजन परोसकर सेवा की गई। श्री गहोई नवयुवक मंडल द्वारा मातेश्वरी अन्नपूर्णा जनसेवा समिति को वृद्धजनों एवं निराश्रितजनों की भोजन सेवा हेतु सहयोग प्रदान किया गया। बाद में जिला चिकित्सालय पहुंचकर भर्ती मरीजों, बच्चों एवं प्रसूति वार्ड में

फल वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से गहोई समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र सुहाने, जगमोहन लाल ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डेंगरे, महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रश्मि खरया, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सृजन चंदन सुहाने, नर्मदा प्रसाद ददरया, एडवोकेट अनिल चौदा, संजीव कठल, डॉ. जीतेन्द्र सराफ, शरद गुप्ता बिस्वारी, सचिन सिपोल्या, सन्दर्भ कठल, वीरेंद्र सुहाने ,ज्योति झुडेले, उषा इंदुरख्या, सुमन झुडेले, सुधीर झुडेले, महेश इटोरया, मोहन रूसिया, रमेश गुप्ता सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

मित्रता दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

एकता समिति ने मित्रता दिवस पर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष सुभाष सराफ की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम प्रारंभ करने के पूर्व सभी धर्म का जयकारा लगाकर कार्यक्रम का आरंभ किया और उपस्थित सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर मित्रता दिवस की शुभकामनाएं बधाइयां दी।

प्रखर वक्ता शरद गुप्ता ने कहा कि

जिंदगी में दोस्त बड़े अनमोल होते हैं जो रिश्ता निभाते हैं अकेलापन दूर करते हैं संकट में साथ निभाते हैं और इंसान को बेहतरीन बनाने में अपना सहयोग देते वह होते हैं। प्रदीप समैया ने कहा कि दोस्त का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है दोस्त सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह, अच्छे दोस्त मानसिक स्वास्थ्य सुधारते हैं और बुरी संगत नुकसान पहुंचते है इसलिए हमें दोस्तों का चुनाव सोच समझकर करना चाहिए।

उपस्थित सभी ने एक स्वर में गीत गया बने चाहे दुश्मन जमाना हमारा सलामत रहे दोस्ताना हमारा, पता कोई पूछे तो कहते हम एक दूजे के दिल में रहते हैं।

इस अवसर पर सुधीर जैन, कमलचंद जैन, चंपकभाई जैन, प्रमोद चौरसिया, अजीत जैन, संजय शास्त्री, निलेश समैया, राजेंद्र मलैया, शरदकांत सोनी, राजेंद्र सोनी मामा, नीरज सेठ, विनोद ठाकुर, शरद गुप्ता, प्रदीप समैया आदि मौजूद थे। गोष्ठी का संचालन समिति अध्यक्ष सुधीर जैन ने किया आभार व्यक्त अजीत जैन प्रकट किया।

आज की बदलती दुनिया में प्रेमचंद रोशनी की मशाल हैं : प्रो. चंदा बैन

सागर। मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के हिंदी विभाग द्वारा आचार्य नन्ददुलारे वाजपई सभागार में व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सागर के प्रतिष्ठित साहित्यकार और राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक टीकाराम त्रिपाठी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि मुंशी प्रेमचंद के विचार इस समाज में तब तक जीवित रहेंगे, जब तक समाज में असमानता रहेगी, शोषण रहेगा। उन्होंने बूढ़ी काकी, पूस की रात और सद्गति इत्यादि कहानियों के माध्यम से अपनी बात रखी तथा उनकी रचनाओं पर विचार साझा किए।

मित्रता दिवस पर युवा शक्ति संगठन द्वारा पौधारोपण किया

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सुरखी

मित्रता दिवस के अवसर पर युवा शक्ति संगठन द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंडी अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश खनिज विकास निगम के पूर्व उपाध्यक्ष, स्वर्गीय राजेंद्र सिंह मोकलपुर की पावन स्मृति में पथरिया जाट स्थित उनके निवास के समीप आदिशक्ति मां जगदंबा मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधे रोपकर स्वर्गीय राजेंद्र सिंह मोकलपुर के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का नेतृत्व खाद्य एवं

नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के सुपुत्र, युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष आकाश सिंह राजपूत ने किया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राजेंद्र सिंह मोकलपुर ने अपना संपूर्ण जीवन संगठन, समाज और जनसेवा को समर्पित किया। उनके आदर्श, कार्यशैली और सरल व्यक्तित्व आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर स्व. राजेंद्र सिंह मोकलपुर के ज्येष्ठ पुत्र पुष्पेंद्र सिंह मोनू भैया एवं उनके अनुज सोनू भैया मोकलपुर ने परिवार के सभी सदस्यों के साथ उपस्थित अतिथियों एवं युवा शक्ति संगठन के कार्यकर्ताओं का आत्मीय स्वागत किया। सभी आगंतुकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। परिवार के महिला-पुरुषों एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर इस अभियान को भावनात्मक स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम में ऋषु ठाकुर जालंधर, गजेंद्र ठाकुर बननाद, बिट्टू तिवारी सुरखी, दीपेश राजोरिया करैया, जावेद खान मकरोनिया, गोविंद सिंह, पवन शुक्ला, पंकज जैन मौजूद थे।

समीक्षा | स्वास्थ्य, बीएमसी, महिला-बाल विकास और श्रम विभाग की समीक्षा

शिकायतों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग समन्वय से काम करें

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को ध्यान में रखते हुए संभाग में प्राप्त शिकायतों का निराकरण तेज गति से किया जाए। इसके लिए सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों में संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। कोई भी प्रकरण लंबित न रहे।

कमिश्नर श्री सुचारी ने कमिश्नर कार्यालय में स्वास्थ्य सेवाएं,

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज, महिला एवं बाल विकास तथा श्रम विभाग की शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में करना अनिवार्य है। समय पर निराकरण न करने पर जुर्माने का प्रावधान है। इसलिए सभी अधिकारी गंभीरता से प्रकरण निपटाएं।

दिए गए प्रमुख निर्देश

पात्रता की जांचः योजनाओं के पात्र एवं अपात्र हितग्राहियों की जांच कर पात्र लोगों को समय पर लाभ दिलाया जाए, दैनिक मॉनिटरिंग शिकायतों के निराकरण की प्रतिदिन समीक्षा की जाए, जन विश्वास अभियान शिविर अभियान के तहत संभाग में लगने वाले शिविरों के क्षेत्रों की शिकायतों को पहले प्राथमिकता से निपटाया जाए। शिविर स्थल पर कोई प्रकरण लंबित न रहे, महिला एवं बाल विकास हितग्राही महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसूति सहायता योजना का लाभ समय-सीमा में दिलाना सुनिश्चित करें। भुगतान और उपचार संबंधी शिकायतें लंबित न रहें।

श्रम विभागः संबल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता सहित सभी देय लाभ समय पर उपलब्ध कराए जाएं।

कमिश्नर ने कहा कि अभियान का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण और शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है। बैठक में संयुक्त आयुक्त (विकास) पीसी शर्मा एवं संबंधित विभागों के संभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रफुल्लचंद्र राय की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

देवरी। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, देवरी में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अंतर्गत एवं 'प्रफुल्लचंद्र राय' जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओम प्रकाश दुबे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान ही राष्ट्र की शक्ति है। कार्यक्रम अधिकारी शिवलाल अहिरवार ने कहा कि अगर देश को आगे बढ़ाना है तो विज्ञान को प्रयोगशाला से निकालकर खेत, खलिहान और कारखानों तक ले जाना होगा।

डॉ. लक्ष्मी प्रसाद अहिरवार ने प्रफुल्लचंद्र राय के व्यक्तित्व पर

विस्तृत प्रकाष डाला। ज्योति तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य राय की स्वदेशी भावना आज आत्मनिर्भर भारत का आधार है। कार्यक्रम के पश्चात विज्ञान मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शिनी लगाई गई। इसी दौरान आचार्य प्रफुल्लचंद्र राय का भारतीय विज्ञान और उद्योग में योगदान विषय पर निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें कु. खुशबू कुर्मी बीएससी द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, कु. समीक्षा साहू बीएससी द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान एवं कु. सुष्मा कुर्मी बीएससी तृतीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

निबंध लेखन में कु. प्रभा काछी बीएससी चतुर्थ वर्ष ने प्रथम स्थान, कु. निधि कुशवाहा बीए प्रथम वर्ष ने द्वितीय एवं मोहित राजपूत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंच संचालन प्रेमनारायण साहू एवं आभार राजेश गिरवाल ने व्यक्त किया।

संत की पहचान शारीरिक अवस्था पर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक अवस्था पर आधारित होती है : परमहंस योगानंद

सम्पादकीय

उपचुनाव: तीन राज्य, तीन परिणाम, संदेश साफ

तीन राज्यों- बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के परिणाम केवल स्थानीय बदलाव की कहानी नहीं कहते, बल्कि यह आगामी राष्ट्रीय एवं प्रांतीय राजनीति की नई दिशा का संकेत भी देते हैं। एक तरफ जहां पारंपरिक गढ़ दरकते दिख रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ स्थापित राजनीतिक गणित को चुनौती देने वाले नए विकल्पों की स्वीकार्यता बढ़ रही है। तीन सीटों पर तीन अलग-अलग पार्टियों को जीत मिली है, इसलिए तीनों राजनीतिक दल खुश भी हो सकते हैं और आत्मचिंतन कर सकते हैं। इन परिणामों ने सबसे बड़ा झटका भारतीय जनता पार्टी को दिया है। इसलिए भाजपा को कतई खुश नहीं होना चाहिए। उसे गंभीरता से परिणाम का विश्लेषण करना चाहिए और आगे की रणनीति बनानी चाहिए। बहरहाल, बिहार की बांकीपुर सीट पर आए नतीजे सबसे अधिक चौंकाने वाले हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की इस पारंपरिक सीट पर, जहां वे लगातार पांच बार विधायक रहे, वहाँ जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज करके बड़ा संदेश दिया है। प्रशांत किशोर ने अपनी जीत के बाद एक ही बात कही कि बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बदलना चाहिए। जनता ने भाजपा की परंपरागत सीट पर ही भाजपा को हराकर यही संदेश दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की परंपरागत सीट पर हुई यह पराजय सामान्य नहीं है। इसके गहने निहितार्थ हैं। उम्मीद है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व जनादेश को समझने का प्रयास करेगा। बांकीपुर की जीत ने विपक्षी दलों के कान भी खड़े कर दिए हैं। जनता ने साफ संदेश दिया है कि वह विपक्षी दलों को खारिज करके नये दल के साथ जाना अधिक पसंद करेगी। राज्य के चुनाव के दौरान भी जनता में लहर यही थी, हालांकि तब प्रशांत किशोर के दल को अपेक्षित परिणाम नहीं मिला था। माना जा रहा है कि प्रशांत की यह जीत बिहार की भविष्य की राजनीति के समीकरण पूरी तरह बदल सकती है। इसी तरह, मध्यप्रदेश के दतिया से आए आंकड़े भाजपा के लिए अंदरूनी आत्ममंथन की जरूरत को रेखांकित करते हैं। पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारने का भाजपा का दांव उल्टा पड़ गया है। राजनीतिक गलियारों में अनेक प्रकार की चर्चाएं तैर रही हैं। सभी प्रकार की चर्चाओं को संज्ञान में लेकर भाजपा के प्रदेश नेतृत्व को गंभीरता से विश्लेषण करना चाहिए। प्रदेश में कांग्रेस का नेतृत्व अत्यंत कमजोर है। इस उपचुनाव के दौरान भी कांग्रेस बिखरी हुई दिखी थी, जबकि भाजपा ने पूरी ताकत से मोर्चा संभाला था। इसके बावजूद बड़े अंतर से दतिया हार जाना भाजपा के लिए खतरे की घंटी है। भाजपा को समय रहते जनता के मन को पढ़ना चाहिए और तदनुसार भविष्य की तैयारियां शुरू कर देना चाहिए। दूसरी ओर, गुजरात के मंजलपुर में भाजपा ने अपना दबदबा पूरी तरह कायम रखा है। यहाँ मिली बड़ी जीत ने साबित कर दिया है कि गुजरात में भाजपा का कैडर आधारित संगठन और मतदाता आधार बहुत मजबूत है। कुल मिलाकर, ये उपचुनाव तीन अलग-अलग संदेश देते हैं: गुजरात में भाजपा का संगठनात्मक किला अभेद्य बना हुआ है, मध्य प्रदेश में भाजपा को सचेत हो जाना चाहिए और बिहार में एक नई राजनीतिक ताकत का उभार विपक्षी दलों के लिए खतरे की घंटी है।

तीन राज्यों- बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के परिणाम केवल स्थानीय बदलाव की कहानी नहीं कहते, बल्कि यह आगामी राष्ट्रीय एवं प्रांतीय राजनीति की नई दिशा का संकेत भी देते हैं। एक तरफ जहां पारंपरिक गढ़ दरकते दिख रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ स्थापित राजनीतिक गणित को चुनौती देने वाले नए विकल्पों की स्वीकार्यता बढ़ रही है।

युवा पीढ़ी की तड़प ... कैसी हो?

तुलसी टावरी

कॉकरोच की उम्र
सबसे बड़ी होती है,
क्योंकि उसे खुद से
जीने की समझ होती है !

तुम भीड़ का हिस्सा बनो
मुझको शिकायत है नहीं,
भीड़ बन हिंसा करो
कतई गंवारा है नहीं !

जो डूबे हैं स्वार्थ में,
तू उनका परदाफास कर,
जो लगे सत्कार्य में,
उनका नहीं प्रतिकार कर !

बन न जा कठपुतलियां
हैं दुष्ट बिखरे हर तरफ,
अपनी ऊर्जा को नहीं
आवेश में बरबाद कर !

बिन गुरु, माता-पिता
कोई नहीं पहुंचा कहीं,
याद रख, बिन धैर्य के
कोई कभी पकता नहीं !

प्रश्न कड़वे पूछना
तेरी युवा पहचान है,
प्रश्न के हल खोजना
इसमें सभी की शान है !

जोड़ कर आवाज सबकी
एक नई आवाज बन,
द्वंद सारे खत्म हों
ऐसी सुरीली तान बन !

अमृत कलश

शिव की आराधना

भारतीय कालगणना में प्रत्येक मास का अपना विशिष्ट धार्मिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक महत्व है, किंतु श्रावण मास इन सबमें अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। सामान्यतः इसे भगवान शिव की आराधना का मास माना जाता है, परंतु शास्त्रीय दृष्टि से इसका स्वरूप इससे कहीं अधिक व्यापक और गंभीर है।

'श्रावण' नाम का आधार श्रवण नक्षत्र है, और वैदिक ज्योतिष में श्रवण नक्षत्र के अधिदेवता स्वयं भगवान विष्णु माने गए हैं। 'श्रवण' का अर्थ केवल नक्षत्र नहीं, अपितु श्रवणम्-ज्ञान का ग्रहण, सत्य का अनुशीलन और धर्म को आत्मसात करना भी है। अतः श्रावण मास वस्तुतः ज्ञान, धर्म, पालन और कल्याण-इन सभी का समन्वित पर्व है। श्रावण में श्रवण भजन व्रत उपासना विशेष फलप्रद मना देते है। इसी कारण श्रावण मास के आरंभिक चरण में चातुर्मास्य का शुभारंभ होता है। देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु योगनिद्रा में प्रविष्ट होते हैं और आगामी चार मास तप, स्वाध्याय, व्रत, संयम तथा आध्यात्मिक साधना के लिए विशेष रूप से निर्धारित किए गए हैं। भारतीय मनीषा ने वर्षा ऋतु को बाह्य गतिशीलता से अधिक आंतरिक जागरण का समय माना है। यही कारण है कि इस अवधि में ऋषि-मुनि एक स्थान पर निवास कर अध्ययन, अध्यापन और धर्मचर्चा में प्रवृत्त होते थे।

यद्यपि श्रवण नक्षत्र के अधिदेवता भगवान विष्णु हैं, तथापि इस मास में भगवान शिव की उपासना का विशेष विधान है। समुद्रमंथन के समय लोकमंगलार्थ हलाहल विष का पान कर शिव ने संपूर्ण सृष्टि की रक्षा की। अतः श्रावण में किया जाने वाला जलाभिषेक केवल पूजा नहीं, बल्कि लोककल्याण, आत्मशुद्धि और अंतःकरण की शीतलता का प्रतीक है।

श्रावण मास हमें यह सिखाता है कि विष्णु का पालन, शिव का कल्याण, कृष्ण का धर्मस्थापना, ऋषियों का ज्ञान, नागों के माध्यम से प्रकृति-संरक्षण और रक्षाबंधन का सामाजिक उत्तरदायित्व-ये सभी भारतीय संस्कृति के अभिन्न आयाम हैं। श्रावण इन सबको एक सूत्र में पिरोकर हमें धर्म, ज्ञान, करुणा, संयम और लोकमंगल का मार्ग दिखाता है। अतः श्रावण मास केवल व्रतों और पर्वों का क्रम नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन का जीवंत उत्सव है।

● प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति

बारिश के पानी को रोकने और भूजल को रिचार्ज करके ही स्थितियां बदली जा सकती हैं

हमें क्यों चाहिए ज्यादा चेक डैम

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार और राजनीति समीक्षक

देश ही नहीं, पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की समस्या से जूझ रही है। कुछ साल पहले तक देश का पश्चिमी इलाका जहां बारिश की कमी से जूझता रहता था, वहीं अब यह इलाका हर साल बाढ़ से जूझ रहा है। गुजरात के सूरत, केंद्र शासित प्रदेश दादरा नागर हवेली का सिलवासा इस बार भारी बरसात के बाद बाढ़ से जूझते रहे। मुंबई भी एक बारिश के बाद पानी-पानी हो गई। जबकि पहले जहां भारी बारिश होती थी, उन इलाकों मसलन पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार आदि बारिश की कमी से जूझ रहे हैं। उत्तर भारत के इलाकों में भी पहले की तुलना में कम बारिश हो रही है। ऐसी स्थित में देश में कहीं जल की कमी हो रही है तो कहीं जल की अधिकता हो रही है। इसका असर बरसात के बाद के दिनों में पूरे देश को भुगतना पड़ रहा है। किसी इलाके में पेयजल और सिंचाई के लिए पानी की कमी हो जा रही है तो किसी इलाके में पानी अधिक बरसने के बावजूद उसका इस्तेमाल नहीं हो पाता। ऐसे में पारंपरिक जल प्रबंधन प्रणालियों को पुनर्जीवित करने और चेक डैम जैसी छोटी जल संरचनाओं के निर्माण की ओर देश का ध्यान देना बेहद अनिवार्य समझा जा रहा है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष औसतन लगभग 4,000 अरब घन मीटर यानी 4,000 घन किलोमीटर पानी वर्षा और बर्फबारी के रूप में बरसता है। देश में औसतन लगभग 117 से 120 सेंटीमीटर (या 1,170 मिमी) बारिश होती है। इस वर्षा का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा अकेले जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान बरसता है। लेकिन इस पानी का सिर्फ 1126 घन किलोमीटर ही इस्तेमाल या संचयन हो पाता है। कुल बरसे पानी में का ज्यादा हिस्सा या तो भाप बनकर उड़ जाता है या फिर नदियों और नालों के जरिए बहते हुए समुद्र में समा जाता है। लेकिन इस बारिश में भी अनियमितता होती है। किसी इलाके में जोरदार बारिश होती है तो किसी इलाके में औसत से भी कम। मौजूदा मानसून सीजन का ही उदाहरण लें तो चौंकाने वाले निष्कर्ष सामने आते हैं। देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है और 29 जुलाई 2026 तक बारिश की राष्ट्रीय कमी घटकर 15 प्रतिशत रह गई है। खेती के लिए महत्वपूर्ण उत्तर-पश्चिम भारत में वर्षा की कमी केवल दस प्रतिशत और मध्य भारत में सिर्फ एक प्रतिशत रह गई है। इसके बावजूद देश के कई बड़े कृषि क्षेत्रों में अब भी बारिश का गंभीर संकट बना हुआ है।

इन पंक्तियों के लिखे जाते वक्त तक के भारत मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में सामान्य से 30 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं देश के दक्षिणी प्रायद्वीपीय इलाके में भी 26 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। खरीफ के सीजन में कम बारिश की वजह से कई राज्यों के किसानों की चिंता बढ़ गई है। इस बार के अभी तक के आंकड़ों पर भरोसा करें तो कई राज्य ऐसे हैं, जहां उनके औसत से कम बारिश हुई है। सबसे ज्यादा कमी बिहार में दिख रही है, जहां सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई है। हैरत की बात है कि हिमालय के बीच बसे मेघालय राज्य में 58 प्रतिशत कम वर्षा हुई है जबकि मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में 41 और 41 प्रतिशत की कमी रिकॉर्ड की गई है।

आंध्र प्रदेश में 36 प्रतिशत, केरल में 35 प्रतिशत, नगालैंड में 35 प्रतिशत, गोवा में 35 प्रतिशत और पंजाब में 33 प्रतिशत कम बारिश हुई है। झारखंड में 30 प्रतिशत तथा असम में 29 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसके अलावा तेलंगाना, हरियाणा, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और मिजोरम भी कमजोर मॉनसून की मार झेल रहे हैं। देश के औसत बारिश के आंकड़ों को देखेंगे तो पता चलता है कि समूचे देश में करीब पंद्रह फीसद ही बारिश कम हुई है। लेकिन राज्यों के इन आंकड़ों से साफ है कि भारी बारिश उन राज्यों में हुई, जो अतीत में बारिश की कमी से जूझते रहते हैं। जाहिर है कि इसमें महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा जैसे राज्य शामिल हैं।

ये तो भारत की बात है। इस साल यूरोप ने भी बदलते मौसम चक्र का नतीजा देखा है। जहां तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। फ्रांस में गरमी के चलते हजारों लोगों की जान गई। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन और अनियमित मानसून के चलते लंबे सूखे का सामना दुनिया को करना पड़ रहा है। भारत भी इसी वैश्विक समुदाय का हिस्सा है। इस वजह से वैश्विक स्तर पर पर जल संकट और मिट्टी का कटाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में विकेंद्रीकृत जल संचयन के लिए चेक डैम एक टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल समाधान पेश करते हैं।

दुनियाभर की संस्कृतियों में जल संचयन की परंपरा रही है। भारत में तो आधुनिक उदारीकरण आने के पहले तक समुदाय और ग्रामीण समाज अपने-अपने इलाके में जल संचयन की पारंपरिक, देसी और स्थानीय स्तर पर सहज सुलभ के साथ ही स्थानीय तकनीक और जरूरत के हिसाब से जलसंचयन तकनीक अपनाते रहे हैं। जल शक्ति मंत्रालय की पहली लघु सिंचाई और जल निकाय गणना रिपोर्ट के अनुसार, देश में जल संरक्षण योजनाओं, परक्युलेन तालाब और चेक डैम की कुल संख्या लगभग दो लाख 26 हजार 217 है। लेकिन ध्यान रहे, इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद देश के जल संचयन और निकायों का यह हिस्सा महज 9.3 प्रतिशत ही है। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, देश में कुल जल निकायों की संख्या 24 लाख 24 हजार 540 दर्ज की गई है। इसमें तालाब, टैंक, जलाशय और चेक डैम आदि सभी शामिल हैं। सबसे ज्यादा ये ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। जाहिर है कि भारतीय ग्रामीण समाज जल संचयन के लिए पहले से ही ज्यादा तैयार रहा है। उदारीकरण के बाद भारत में एक बदलाव आया। छोटी चीजों की बजाय हमारा फोकस बड़ी चीजों पर बढ़ने लगा। बड़े बांध, बड़े जलविद्युत उत्पादन केंद्र आदि की ओर ना सिर्फ सरकारी फोकस बढ़ा, बल्कि ग्रामीण समाज ऐसे ही सोचने लगा। लेकिन जिस तरह बारिश की अनियमितता बढ़ रही है, उससे जरूरी है कि छोटे चेक डैम और बनाए जाएं। स्थानीय स्तर पर समुदायों को इस प्रक्रिया से जोड़कर उन्हें इसके लिए तैयार किया जान चाहिए। वैसे मनरेगा, जो अब जीरामजी हो गया है, उसके तहत पहले से ही स्थानीय स्तर पर तालाब खुदवाने और भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तर पर काम किए जा रहे हैं। लेकिन इस कटु सत्य को भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि मनरेगा में स्थानीय पंचायती स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक घनघोर भ्रष्टाचार है। इसकी वजह से सरकारी मद से मिले पैसे खर्च तो दिख रहे हैं, लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार तो मिलता दिख रहा है, लेकिन उस खर्च के जो जमीनी नतीजे होने और दिखने चाहिए, वे न तो दिख रहे हैं और न ही मिल रहे हैं। इसलिए जरूरत है कि इसमें भ्रष्टाचार रोकने के लिए कारगर तंत्र विकसित किया जाए।

भारत अपने बारिश और नदी आदि के जल का सिर्फ पच्चीस फीसद हिस्सा ही भूजल को रिचार्ज करने में इस्तेमाल कर पाता है। पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों में भूजल स्तर गंभीर स्तर तक गिर चुका है। फसलों के आधुनिक और विकसित किस्मों के प्रयोग के चलते इन राज्यों में पानी की जरूरत ज्यादा है। किसान भूजल का ही ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। इसलिए जरूरी है कि चेक डैम बनाए जाएं और भूजल को रिचार्ज किया जाए। भारत की गतिशील भूजल संसाधन मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण यानी रिचार्ज 448.52 बिलियन क्यूबिक मीटर है। इसमें सालाना निकासी के लिए जल की उपलब्धतता करीब 407.75 बिलियन क्यूबिक मीटर है। इनमें से वार्षिक भूजल निकासी 247.22 बिलियन क्यूबिक मीटर दर्ज की गई है, जिससे राष्ट्रीय औसत दोहन स्तर 60.63 फीसत प्रतिशत है। इसमें से देश खेती के लिए कुल भूजल निकासी के लगभग 87 प्रतिशत हिस्से का उपयोग कर पाता है। इस आंकड़े के अनुसार, देश में करीब 730 से अधिक इलाके ऐसे हैं, जहां भूजल का अत्यधिक दोहन किया जा रहा है। यह सौ प्रतिशत से भी ज्यादा है। इसमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे इलाके शामिल हैं। जिनमें भूजल का स्तर बेहद गंभीर स्थिति में है। इतना ही नहीं, कई क्षेत्रों में भूजल में तय सीमा से अधिक नाइट्रेट, फ्लोराइड और यूरेनियम की मात्रा पाई गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलिया, बिहार के आरा, छपरा, बक्सर समेत कई इलाके के भूजल में खतरनाक स्तर तक आर्सेनिक पाया गया है। पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले का भी भूजल स्तर इस बीमारी से जूझ रहा है।

जाहिर है कि इन सब समस्याओं का समाधान छोटे चैक डैम बनाकर ही किया जा सकता है। बारिश के पानी को रोकने और भूजल को रिचार्ज करके ही स्थितियां बदली जा सकती हैं। बड़े बांध बनाने के लिए बड़ी पूंजी, बड़ा इलाका और वक्त चाहिए। इसलिए जरूरी है कि सरकारी स्तर पर भी छोटे चैक डैम बनाए जाएं। इससे भविष्य में भूजल का रिचार्ज बढ़ेगा, पानी की गुणवत्ता भी बढ़ेगी और खेती के साथ ही पेयजल के लिए भरपूर पानी उपलब्ध होगा। बदलते मानसून चक्र में भारत के लिए यह सोच जल की अमोल निधि को उपलब्ध कराने में मददगार होगी। इससे जहां देश का नक्शा बदलेगा, वहीं सूखे और कम बारिश की वजह से होने वाले खेती के नुकसान को भी रोका जा सकेगा।

यह लेखक के निजी विचार है

संविधान की मंशा के अनुरूप समान नागरिक संहिता

राकेश शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार एवं टिप्पणीकार

म.प्र. सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की नियत से हाल ही में विधानसभा से विधेयक को पारित किया जा चुका है राष्ट्रपति से अनुमति मिलने पर यह विधेयक शीघ्र ही कानून का रूप धारण कर लेगा। इस प्रकार म.प्र. देश का चौथा ऐसा प्रदेश बन जायेगा जहां यूसीसी को लागू किया गया है।

राज्य सरकार संवैधानिक भावना को आगे बढ़ाते हुये यूसीसी लागू करने के लिए कदम बढ़ा रहा है। विधेयक पारित किया जाना इस दिशा में पहला कदम है। म.प्र. के पूर्व उत्तराखण्ड, असम तथा गुजरात राज्य समान नागरिक संहिता को स्वीकृत कर चुके है। सतही तौर पर समान नागरिक संहिता का आशय इस देश में रहने वाले तथा विभिन्न धर्मों, मतों और विश्वासों से जुडे. सभी लोंगों के बीच, एक नागरिक के रुप में, उनके पारस्परिक व्यवहार से सम्वद्ध एक ऐसी व्यापक आचार संहिता तैयार किये जाने से है, जिसमें लोक व्यवहार से सम्बद्ध भी विषयों यथा शादी-विवाह, तलाक, निर्वाह भत्ता, गोद नशीनी पर उत्तराधिकार सम्बन्धी सभी कानूनों का समावेश हो। प्रश्न उठता है कि संविधान के नीति-निर्देशक सिद्धान्त में राज्य को निर्दिष्ट स्पष्ट संकेत व दिशा-निर्देश है।

संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता की प्रकृति तथा क्षेत्राधिकार को समझने के लिए सर्वप्रथम हमें भारतीय संविधान के निर्माता डॉ.भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान सभा में अनुच्छेद 44 की दी गयी व्याख्या पर गौर करना होगा। डा. अम्बेडकर के अनुसार हमारे देश में मानवीय व्यवहार के लगभग प्रत्येक पहलु का समावेश करने वाली एक समान नागरिक संहिता विद्यमान है। मैं इस संबंध में एक ऐसे कानून को दृष्टान्त रुप में प्रस्तुत कर सकता हूं जिससे यह सिद्ध होता है कि इस देश में व्यावहारिक रुप में एक ऐसी नागरिक संहिता पहले से मौजूद है जो अपने सारभूत स्वरुप में सम्पूर्ण देश में लागू होती है। केवल विवाह और उत्तराधिकार जैसे विषय ही इस संहिता में शामिल नहीं है। मात्र इस कमी को पूरा करने के उद्देश्य से संविधान के अनुच्छेद 44 में यह व्यवस्था की गयी है, ताकि भविष्य में इन दो महत्वपूर्ण विन्दुओं का भी इस संहिता में समावेश किया जा सके। यहां यह उल्लेख करना भी समीचीन होगा कि जब संविधान सभा में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के प्रारूप पर बहस की जा रही थी तो संविधान सभा के मुस्लिम सदस्यों ने समान नागरिक संहिता की परिधि में विभिन्न धर्मावलम्बियो के पर्सनल लॉ को लाये जाने का जमकर विरोध किया था, किन्तु उनके सशक्त विरोध को दरगुजर करते हुए संविधान सभा ने इस अनुच्छेद को पारित कर दिया था। इसके साथ ही हमें यह भी स्मरण रखना होगा कि अनुच्छेद 44 राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का एक अंश होते हुए भी इसकी ध्वनि आदेशात्मक न होकर महज निर्देशात्मक ही है। अनुच्छेद 44 में प्रयुक्त शब्द प्रयास करेगी में समान नागरिक संहिता को कानूनी रुप से लागू करने का स्पष्ट इरादा था, संकल्प परिलक्षित नहीं होता। अनुच्छेद 44 की शब्दावली से यह भी ध्वनित होता है कि पर्सनल लॉ किसी धर्म का अविभाज्य अंग नहीं है अतः इसे आंख मूंदकर धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और विशेषकर तव जब यह प्रगति में वाधक बनने अथवा लोगों को एक दूसरे से अलग क़रने के लिए प्रयुक्त किया जाता हो।

समान नागरिक कानून के पक्षधरों के अनुसार चूंकि भारत एक राष्ट्र है अतः स्वाभाविक ही है कि इसके समस्त नागरिकों को एक समान कानून के अधीन लाया जाए। पर्सनल-कानूनों की वैभिन्नता ने कुल मिलाकर इस देश के लोगों को न केवल एक दूसरे से पृथक करने की भूमिका निभायी है वरन उन्हें एक दूसरे के प्रति आक्रामक रुख अख्तियार करने और राष्ट्र में रह कर भी राष्ट्रीयता के दोहरे मानदण्ड अपनाने की प्रवृत्ति को हवा दी हैं। नये और प्रगतिशील भारत में सभी नागरिकों के कल्याण तथा उनमें समानता और भाईचारे की भावना विकसित करने की दृष्टि से यह सर्वथा वांछनीय है कि प्रगतिशील और कल्याणकारी कानूनों का लाभ प्रत्येक देशवासी के लिए समान रूप से सुनिश्चित किया जाए। इस दृष्टि से प्रदेश सरकार के द्वारा उठाया गया कदम मील का पत्थर साबित होगा।

प्रज्ञा-अपराधी और वाक-अपराधी

आचार्य डॉ.रघुवीर गोस्वामी
कथाव्यास (संगीतमय)

अपने बुद्धि-दारिद्रय के कारण मन-मष्तिष्क में विकृत विचार आते हैं। विकृत मानसिकता के निर्माण में भी इन्हीं कुत्सित विचारों का योगदान होता है। किसी के प्रति दुराग्रह दृढ़तापूर्वक बद्धमूल हो जाने पर ही सम्बन्धित व्यक्ति अपनी वाणी पर से भी नियन्त्रण खो बैठता है। वह अपने को 'परम स्वतन्त्र न सिर पर कोई' समझ लेता है। यही प्रवृत्ति उसे वाचालता की सीमा का भी उल्लंघन कराती है। फिर वह मूढ़ स्वयं को केवल सर्वविद् ही नहीं अनुशासक भी मान बैठता है। समाज में आज कुछ परिदृश्य ऐसा ही निर्मित होता जा रहा है। मूर्खता ही ऐसे लोग अपना आभूषण मान बैठे हैं। समाज के अनेक तथाकथित महाशय उन्हें बढ़ावा भी दे रहे हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास अत्यन्त घातक-आत्मघातक दिशा की ओर बढ़ रहे हैं।

अनावश्यक और अतिवाचाल ही अपनी मूढ़ताबस जब अति उत्साह में बोलने लगता है तब वही आत्मनियन्त्रणहीन होकर ऐसे विन्दुओं पर भी प्रवक्ता-आचार्य की भाँति प्रवचन करने लगता है जिन्हें मानो वह ब्रह्मवाक्य की तरह प्रमाणित करता जा रहा हो। वह यह नहीं जानता कि उन विन्दुओं से उत्पन्न होने वाले पाप से छुटकारा पाने के लिए उसे एक तो क्या अनेक जन्म लेने पड़ेंगे। भारत भूमि में जन्म और यह मानव शरीर अनेक जन्मार्जित सद्कर्मों-पुण्यों का परिणाम है। इसे आत्मोन्नति का साधन मानिए, अपने आचरण से हम पतनोन्मुखी न बनें। यह संस्कारों का देश है। यहॉ सम्पूर्ण विश्व के लोग हमारे तीर्थस्थलों में, महाकुम्भ जैसे आयोजनों में आकर, संस्कृति की शिक्षा लेकर संस्कारित होने का प्रयास करते रहते हैं। केवल और केवल भारतीय संस्कृति ही आद्य संस्कृति है।यह सम्पूर्ण विश्व के द्वारा वरण करने योग्य है-सा प्रथमा संस्कृतिर्विश्ववारा'। इसे संस्कारहीनता की ओर न धकेलिए। इसीलिए स्वामी विवेकानन्द ने भी उपनिषद् का सन्दर्भ लेकर युवकों का आह्वान किया -'उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत' उठो, जागो, और श्रेष्ठता को प्राप्त करो।

शब्द भी ब्रह्म माना गया है।अक्षर (अर्थात वर्ण)को 'अक्षर' कहते ही इसलिए हैं क्योंकि वह कभी नष्ट नहीं होता। जो कुछ भी भला या बुरा हम लोग बोलते हैं वह आकाश में संचित होता रहता है। समय आने पर वह वाणी गूंजती है और अपना प्रभाव अथवा दुष्प्रभाव अवश्य ही दिखाती है, चाहे समय कितना भी क्यों न लग जाय। इसीलिए अश्लील शब्दावली का प्रयोग करने वाले, अनर्गल प्रलापी लोग वाक्-अपराधी कहे जाते हैं। यह वाग्देवी सरस्वती का अपराध है। वाणी की उपलब्धि का अपराध है।अपराध के भागी तो वे सब भी होते हैं जो ऐसे लोगों के दुर्वचनों का समर्थन करते हुए आनन्दित होते हैं। ऐसे कुकृत्यों से वाणी के अपराधियों का मनोबल और बढ़ता है। और तो और स्वयं बेसहूर-अशिष्ट होते हुए भी अपने से बड़े, भले ही वह उसके पिता अथवा दादा की उम्र के बराबर हो, उस व्यक्ति को भी शिष्टाचार की शिक्षा देने लगता है।ढोंग और पाखण्ड की साक्षात् मूर्ति, बोलते समय वह दम्भी अपनी हेकड़ी को ही अपनी विशिष्टता मान बैठता है। किसी भी सभा की श्रेष्ठता का मापदण्ड निर्बुद्धि की वाचालता नहीं हो सकती है।अतः ऐसे वे अक्षम्य अपराधी दण्ड के अधिकारी होते हैं, प्रसंशा के नहीं।और यदि शासक अथवा समाज नहीं तो नियति ही उन्हें येन केन प्रकारेण दण्डित अवश्य करती है।यह शाश्वत सत्य है - 'अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाशुभम।'

आश्चर्य तो इसलिए होता है कि बार-बार दण्डित होने पर भी ऐसे लोगों का बौद्धिक प्रदूषण दूर नहीं होता।वे लोग वाक नियन्त्रण नहीं कर पाते।वे स्वयं ही वागीश्वरी बन जाते हैं। दर्पोक्तियों में ही अपना पौरुष दिखलाते हैं।घृणा, ईर्ष्या-द्वेष से परिपूर्ण प्रलाप अथवा ध्वनि प्रदूषण द्वारा सामाजिक वातावरण प्रभावित करना ही उनका एकमात्र उद्देश्य होता है। स्वयं की प्रतिभा और परिश्रम नहीं अपितु निरन्तर ऐसे कुकृत्यों से ही कुख्यात होने में अपनी उपलब्धि मान बैठते हैं।अपना बौद्धिक व्यायाम केवल उसी दिशा में करते रहते हैं। धिक तं च तां वाचालतां च ....। अब क्या कहें......। परिस्थिति सबके सामने है।

पशुओं को भी प्रियवाणी रुचिकर लगती है और वे वशीभूत हो जाते हैं फिर मनुष्यों की तो बात ही अलग है। अतःसदैव प्रियवाणी बोलना चाहिए, प्रियवाणी बोलने में दरिद्रता नहीं दिखानी चाहिए ।प्रस्तुत सुभाषित यही कहता है-- प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः। तस्मात्तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।।

अतः हम सबको प्रज्ञा अपराध से और वाक अपराध से बचना चाहिए। हम संस्कार सक्षम होने का निरन्तर प्रयास करते रहें। इत्यम्।

किशोर कुमार के गायन में दार्शनिक अंदाज भी उत्कृष्ट और लाजवाब था

गोपाल कृष्ण छिब्बर

स्वर्गीय किशोर कुमार के गायन में दार्शनिक अंदाज भी उत्कृष्ट और लाजवाब था। भारतीय फिल्म उद्योग में किशोर कुमार सबसे अनूठे अदभुत और अजूबे कलाकार थे किशोर कुमार अभिनेता गायक के साथ निर्माता निर्देशक और गीतकार संगीतकार भी थे हरफनमौला होने के बावजूद भी उनका एक दार्शनिक व्यक्तित्व था जिसकी झलक हम उनकी फिल्म 'दूर गगन की छांव' में उनके ही द्वारा लिखित गीत संगीत से सजे ओर गाए मधुर गीत

आ लेके चले तुझे ऐसे गगन के तले
जहां गम भी ना हो आँसू भी ना हो
बस प्यार ही प्यार मिले में देखने को मिलती है

यह गीत तीन अंतरे का है उसके अंतिम अंतरे में जो संदेश है वह महत्वपूर्ण है

सपनों के ऐसे जहां में जहां
प्यार ही प्यार खिला हो
हम जा के वहां खो जाये जहां
कोई शिकवा न गिला हो
जहां कोई गैर ना हो , कोई बैर ना हो
सब मिलके यू चलते चले ।

किशोर कुमार ने इसे राग पहाड़ी में स्वरबद्ध कर स्वयं पर चित्रित किया है जिसमें उनके साथ पुत्र अमित कुमार का अभिनय भी है उनके दार्शनिक अंदाज का सुंदर चित्रण है।

किशोर कुमार को केवल हास्य व्यंग चुलबुले अंदाज वाला गायक नहीं कहा जा सकता संवेदनशील दर्द भरे गीतों के गायन में भी वे महारथी थे देखा जाए तो 1946 में 'जिद्दी' फिल्म में जो पहला गीत गया था वह भी दर्द भरा दार्शनिक अंदाज ही था।

जयंती पर विशेष

मारने की दुआ क्यों मांगू
जीने की तमन्ना कौन करे
ये दुनिया हो या वो दुनिया
अब ख़्वाहिशों ए दुनिया कौन करे

इस गीत का अंतरा देखिए

जो आग लगाई थीं तुमने
उसको तो बुझाया अश्कों ने
जो अश्कों ने भड़काई है
उस आग को ठंडा कौन करे

किशोर कुमार ने अनेकों प्रेरक गीत है जो उनके महान गायकी को दर्शाते है।

फिल्म 'सफर' का गीत
ज़िंदगी का सफर है ये कैसा सफर
कोई समझा नहीं कोई जाना नहीं ।

फिल्म 'कोरा कागज' का गीत
मेरा जीवन कोरा कागज कोरा ही
रह गया
जो लिखा था वो आसुओं में बह गया

इस गीत का अंतिम प्रेरक अंतरा किशोर कुमार ने बड़ी तन्मयता से गया जो सुनने योग्य है। दुख के अंदर सुख की ज्योति दुख ही दुख का ज्ञान दर्द सहके जन्म लेता हर कोई इंसान वो सुखी है जो खुशी से दर्द सह गया।
मेरा जीवन कोरा कागज कोरा ही रह गया

फिल्म 'चोर मचाये शोर' का गीत
घुंघरू की तरह बजता ही रहा हु में
कभी इस पग में कभी उस पग में ।

फिल्म 'अमर प्रेम' के सभी गीत किशोर कुमार की उत्कृष्ट गायकी का प्रमाण है
चिंगारी कोई भड़के तो सावन उसे बुझाये
सावन जो अगन लगाये उसे कौन बुझाए
कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना, फिर क्यों संसार की बातों से भीग गए तेरे नैना।

फिल्म 'आप की कसम' का कालजयी गीत , जिंदगी के सफर में गुजर जाते है जो मुकाम वो फिर नहीं आते।

फिल्म पिया का घर का गीत
ये जीवन है इस जीवन का यही है
रंग रूप , थोड़े गम है थोड़ी खुशियां
यही है छांव धूप।

किशोर कुमार ने 95 फिल्मों में अभिनय किया ओर उन्होंने कुछ फिल्मों का भी निर्माण किया चलती का नाम गाड़ी जिसमे तीनों भाइयों अशोक कुमार ओर अनूप कुमार ने काम किया सबसे लोकप्रिय ओर सुपरहिट फिल्म थी 1970 की फिल्म पड़ोसन में मुख्य भूमिका सुनील दत्त महमूद की थी परन्तु किशोर कुमार की संक्षिप्त संगीत गुरु की भूमिका में ही पूरी फिल्म को जान थी। मनमौजी मस्तमौला बहुमुखी प्रतिभा के किशोर कुमार 4 अगस्त 1929 को मध्यप्रदेश के खण्डवा में जन्मे मात्र 57 वर्ष की आयु में 13 अक्टूबर 1986को हमसे जुदा हो गए ओर कह गए
चलते चलते मेरे ये गीत याद रखना
कभी अलविदा ना कहना।

अशोकनगर पुलिस ने दिनदहाड़े हुई चैन स्नैचिंग का खुलासा

स्वर्ण आभूषणों के झपटमार कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़े

स्वदेश ज्योति संवाददाता, अशोक नगर

पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में संपत्ति संबंधी अपराधों के त्वरित निराकरण एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस को दिनदहाड़े हुई चैन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई सोने की 2 चैन कीमती करीवन 6 लाख रूपये बरामद की है। उल्लेखनीय है कि विगत 18 जून को फरियादी जयकुमार जैन निवासी पछाड़ीखेड़ा रोड, अशोकनगर द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 22 जून को परम पूज्य श्री सुधासागर जी महाराज के आगमन एवं आशीर्वाद कार्यक्रम के दौरान अत्यधिक भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी पत्नी सुलोचना जैन सहित राजकुमार जैन, सरोज जैन एवं दुर्गेश जैन की सोने की चैन झपटकर चोरी कर ली। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 456/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा द्वारा थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी एवं चोरी गए माल की बरामदगी के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम ने घटनास्थल, मुखबिर तंत्र तथा तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान एक ऐसे शातिर अंतरजिला गिरोह का सुराग मिला, जो पूर्व में गुना, मुरैना सहित विभिन्न जिलों में चैन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम दे चुका था। सघन प्रयासों के फलस्वरूप पुलिस ने आरोपी मनीष पिता रामवीर जाटव (38 वर्ष), निवासी सिंगल बस्ती, भरोसेवाली गली, जिला मुरैना तथा रामबाबू अग्रवाल पिता ओमप्रकाश अग्रवाल (38 वर्ष), निवासी धनवंतीनगर, जबलपुर को गिरफ्तार कर लिया। प्रकरण का एक अन्य आरोपी संजय अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की गई सोने की चैन को जबलपुर स्थित एक ज्वेलरी दुकान पर बेचने की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर चोरी गई सोने की 2 चैन कीमती करीवन 6 लाख रूपये बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को विधिवत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रवि प्रताप सिंह चैहान, सउनि देशराज भील, प्रधान आरक्षक दिनेश कुशवाह, आरक्षक महेश बघेल, गौरव रघुवंशी, भानु रघुवंशी एवं महिला आरक्षक प्रतीक्षा रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पंजाब नैशनल बैंक
punjab national bank
मंडल कार्यालय, झर्रा टिकुरिया, प्रथम तल, आस्था प्लाजा, कटनी - 483501
ईमेल : coktnsamd@pnb.bank.in

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु **ई-नीलामी विक्रय नोटिस**

आम लोगों को और विशेष रूप से उधार लेने वाला और प्रत्याभूतिदाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का प्रतीकात्मक/वास्तविक कब्जा/सांकेतिक कब्जा (इनमें से जो भी लागू होता हो) प्रतिभूत लेनदार के द्वारा लिया गया है, को "जहां है जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर निम्नलिखित ऋणियों एवं जमानतदारों से बैंक/प्रतिभूत लेनदार की निम्नलिखित रुपए की बकाया राशि की वसूली हेतु निम्न दिनांक को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अग्रिम धनराशि निम्नलिखित है:-

ई नीलामी दिनांक : 24.08.2026 (ई-नीलामी का समय : प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 5.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनिट के असीमित विस्तार के साथ)

ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि : 23.08.2026 रात्रि 11.00 बजे तक

ऋणी/बंधनकर्ता का नाम एवं बंधक संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि	मांग नोटिस दि. / कब्जा दिनांक / बकाया राशि
निविदाकार अपने प्रस्ताव रु. 25000/- (रु. पच्चीस हजार मात्र) के गुणांक मे बढ़ा सकेंगे।		
मेसर्स पीजी इंडस्ट्रीज प्रो. श्रीमती हर्षा कुकरेजा 1. बंधक संपत्ति प्लाट नं. 9, 10, 11 का भाग सिद्गुवां इंडस्ट्रियल एरिया, सागर, जिला- सागर, क्षेत्रफल : 11066.08 वर्ग मीटर, लीज़ एमपीआईडीसी द्वारा डीड नं. एमपी337120200१050844 दिनांक 21/01/2020, सेल डीड नं. एमपी337120200१001314 दिनांक 01/01/2020 2. बंधक संपत्ति 11 का भाग सिद्गुवां इंडस्ट्रियल एरिया, सागर, जिला- सागर, क्षेत्रफल 3600 वर्ग मीटर लीज़ एमपीआईडीसी द्वारा डीड नं. एमपी337120200१001314 दिनांक 01/01/2020, सीमाएं : पूर्व- प्लाट नं. 8 एवं 12, पश्चिम- रोड एवं एमपीईबी सब-स्टेशन, उत्तर- ट्रैक पार्किंग के लिए खुली भूमि, दक्षिण- एमपीआईडीसी सर्विस रोड, संपत्ति मालिक : लीज़ एमपीआईडीसी से श्रीमती हर्षा कुकरेजा (मेसर्स पीजी इंडस्ट्रीज) (सांकेतिक आधिपत्य)	(₹) 3,44,58,000/- (₹) 34,45,800/-	26-04-2023 23-08-2023 ₹ 38875538.18 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
मेसर्स हरि ओम ट्रेडर्स प्रो. श्रीमती पुष्पा देवी कुकरेजा (सांकेतिक आधिपत्य) 1. कामर्शियल भूमि एवं बिल्डिंग 106/1, 106/2 पटवारी हल्का नं. 77 (नया 65) क्षेत्रफल 1066.50 वर्ग फिट, वार्ड नं. 27, मौजा सागर खास, कटरा बाजार सागर म.प्र., सीमाएं : पूर्व- प्लाट एवं दुकान ज्ञानचंद कुकरेजा, पश्चिम- रोड, उत्तर- रोड (शासकीय) फिर पिंजामल मार्केट, दक्षिण- रिषभ जैन का मकान, संपत्ति मालिक- श्रीमती पुष्पा कुकरेजा	(₹) 1,80,02,000/- (₹) 18,00,200/-	29-11-2023 29-01-2024 ₹ 32112817.68 + देय ब्याज एवं अन्य खर्च
2. कामर्शियल छत अथवा स्टोरी बिल्डिंग (प्रथम तल की छत) दो मंजिला घर के ऊपर खुली छत का पूरा हिस्सा / संपूर्ण ऊंचाई तक भूमि खसरा नं 106/1, 106/2 पटवारी हल्का नं. 77 (नया 65), क्षेत्रफल: 1650 वर्ग फिट, वार्ड नं. 27, मौजा-सागर, सीमाएं : पूर्व- जैन का मकान, पश्चिम-पुष्पा कुकरेजा, उत्तर - नरेन्द्र जैन का मकान, दक्षिण- ज्ञानचंद कुकरेजा का मकान, संपत्ति मालिक- श्री ज्ञानचंद कुकरेजा (सांकेतिक आधिपत्य)	(₹) 1,33,84,000/- (₹) 13,38,400/-	

नियम एवं शर्तें :- 1. विक्रय सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम व शर्तों के आधीन होगा तथा निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा। 2. सम्पत्तियों की बिक्री "जहां है जैसा है एवं जिस अवस्था में है" के आधार पर होगी। 3. उपरर वर्णित सम्पत्तियों का विवरण प्रतिभूत लेनदार को प्राप्त जानकारी के आधार पर है किन्तु प्रतिभूत लेनदार किसी भी त्रुटि, गलत जानकारी, घोषणा में चूक लिये जिम्मेदार नहीं होगा। 4. विक्रय अधिकृत ऑनलाइन ई-निलामी सेवा प्रदाता के द्वारा दिनांक 24/08/2026 को वेबसाइट https://baanknet.com पर किया जायेगा। इच्छुक बोली लगाने वाले / खरीददारों को नीलामी के उचित समय से पहले बैंक से मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता PSB Alliance के संबंधित ई-नीलामी वेब पोर्टल https://baanknet.com में रजिस्ट्रेशन कर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि को ट्रांसफर करना होगा। यदि ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ईएमडी राशि उपलब्ध नहीं है, तो सिस्टम बोली लगाने की अनुमति नहीं देगा। बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए https://baanknet.com और www.pnb.bank.in पर देखें।

दिनांक: 03/08/2026, स्थान: कटनी — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

अतिक्रमण नोटिस के विरोध में फूटा लोगों का गुस्सा, गांधी चौराहे से तहसील तक निकाला पैदल मार्च

स्वदेश ज्योति संवाददाता, बीना

गणेश वार्ड में कथित अतिक्रमण हटाने को लेकर तहसील प्रशासन द्वारा जारी किए गए नोटिस के विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में वार्डवासियों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। कांग्रेस नेता इंदर सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने गांधी चौराहे से तहसील कार्यालय तक पैदल मार्च निकालकर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। सुबह से ही गणेश वार्ड और आसपास के क्षेत्रों के लोग गांधी चौराहे पर एकत्रित होने लगे। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग हाथों में नोटिस की प्रतियां और ज्ञापन लेकर पैदल मार्च के लिए रवाना हुए। प्रदर्शनकारी गांधी चौराहे से सर्वोदय चौक होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे। पूरे मार्ग में प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई और लोगों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि गणेश वार्ड में कई परिवार वर्षों से निवास कर रहे हैं और बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के उन्हें हटाना उचित नहीं होगा। लोगों ने मांग की कि प्रशासन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाए तथा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास या अन्य वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद ही कोई निर्णय लिया जाए। तहसील कार्यालय पहुंचने पर कांग्रेस नेता इंदर सिंह और वार्डवासियों ने तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गणेश वार्ड के निवासियों को राहत प्रदान करने और उनके हितों की रक्षा करने की मांग की गई। इस दौरान तहसीलदार ने भूमि स्वामी परवेज पेस्टन से वीडियो कॉल के माध्यम से वार्डवासियों की सीधी बातचीत भी कराई। वीडियो कॉल के दौरान कांग्रेस नेता इंदर सिंह ने भूमि स्वामी को पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गणेश वार्ड में करीब 40 से 45 परिवार लंबे समय से निवास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि अचानक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है तो दर्जनों परिवार बेघर हो जाएंगे।

जटाशंकर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की टैक्सी पलटी, 9 घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

छतरपुर। सटई थाना क्षेत्र के रोरा के पास सोमवार सुबह करीब 5 बजे श्रद्धालुओं से भरी एक टैक्सी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में टैक्सी में सवार करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। सभी श्रद्धालु जटाशंकर धाम से दर्शन कर वापस अपने गांव मोराहा लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक टैक्सी में करीब 13 लोग सवार थे। हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए छतरपुर जिला अस्पताल लाया गया। इनमें 9 घायलों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है, जबकि 4 लोगों को भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। सभी घायल सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम मोराहा के रहने वाले बताए गए हैं। जिला अस्पताल में भर्ती घायलों का उपचार जारी है।

श्रावण माह के पहले सोमवार को शिवधाम कुंडेश्वर में उमड़े भक्त, शिवजी का किया जलाभिषेक

स्वदेश ज्योति संवाददाता, टीकमगढ़

बुंदेलखंड का प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र शिवधाम कुंडेश्वर में सावन के पहले सोमवार को शिवधाम मंदिर में श्रद्धालुओं की खूब भीड़ उमड़ी रही। बुंदेलखंड के लोगों का आस्था के केंद्र बना शिवधाम में भगवान शंकर की आराधना करने हजारों लोग पहुंचे। भगवान भोलेनाथ का प्रिय श्रावण मास होने के चलते अब पूरे महीने भक्तों का यहां तांता लगा रहेगा। माना जाता है कि यह शिवलिंग सैकड़ों साल पहले जमीन से प्रकट हुआ था। सोमवार के दिन सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लग जाती है। मंदिर प्रबंधन ने भक्तों की भीड़ को देखते हुए पुरुष और महिला श्रद्धालुओं के लिए अलग अलग दर्शन के लिए व्यवस्था की। इसके अलावा भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस बल भी लगाया गया है। इस दौरान बैरिकेडिंग कर महिलाओं और पुरुषों के लिए कतारबद्ध तरीके से अलग अलग रास्ता बनाया गया था। जहां से श्रद्धालु शिवजी को जल चढ़ाने के लिए गए। गौरतलब है कि शिवधाम कुंडेश्वर में श्रावण मास के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी। जहां पर सुबह से ही भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने श्रद्धालु पहुंचे थे। सुबह चार बजे ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धालुओं ने कुंडेश्वर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाया और मनोकामना की। सुबह पांच बजे मंदिर प्रबंधन की ओर से वैदिक मंत्रोचार के साथ भोलेनाथ का अभिषेक और पूजन किया गया। इसके बाद आम श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर प्रबंधन ने पहले ही व्यवस्थाएं दुरूस्त कर ली थीं।

शिव मंदिर जा रही नाबालिग से छेड़छाड़ विरोध करने पर जान से मारने की धमकी

राजगढ़। राजगढ़ जिले के खुजनेर थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार सुबह शिव मंदिर जा रही 16 साल की किशोरी से छेड़छाड़, पीछा करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरु की। पुलिस के अनुसार पीड़ित किशोरी ने बताया कि वह सोमवार सुबह पूजा- अर्चना के लिए गांव के शिव मंदिर जा रही थी।

कार्यालय कलेक्टर, जिला सागर एवं पदेन अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

क्रमांक/0036/अ-82/वर्ष 2025-26/6838 — सागर, दिनांक : 27.07.2026

मौजा मगरधा प.ह.नं. 08 तह. गढ़ाकोटा, जिला सागर

प्रारंभिक सूचना
(देखिये धारा-11)

चूंकि पदेन अपर सचिव को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची-1 में वर्णित भूमि की राज्य शासन के विभाग संभागीय प्रबंधक म.प्र.रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर संभाग सागर द्वारा सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यक है। प्रकरण में प्राप्त सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट अनुसार सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्युटी मॉडल(HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण से सुचारू आवागमन हो जावेगे तथा सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्युटी मॉडल(HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण से संभाव्य फायदे सामाजिक खर्च और प्रतिकूल सामाजिक समाघातों की तुलना में भी बहुत अधिक है। अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्युटी मॉडल(HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण कार्य हेतु पूर्ण रूप से उपयुक्त है, परियोजना के निर्माण से व्यापक लोकहित निहित है। अत: भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अनुसार इस सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा उक्त परियोजना हेतु भूमि का अर्जन किया जाता है।

परियोजना का नाम :- सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्युटी मॉडल(HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण

भूमि का विवरण:-

1. जिला — सागर
2. तहसील — गढ़ाकोटा
3. नगरपालिका परिषद/ग्राम पंचायत — मगरधा-गढ़ाकोटा
4. अर्जित भूमि का कुल क्षेत्रफल — 6.744 हे.

अनुसूची-1

स. क्र.	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता (राजस्व अभिलेख अनुसार)	खसरा नंबर	रकबा	स्वामित्व का प्रकार	कुल क्षेत्रफल रकबा हेक्टेयर में	अर्जन का क्षेत्रफल (हे.)
1	2	3	4	5	6	7
1	रामनाथ पिता हरीशंकर	193/1	0.85	निजी	3.49	0.849
2	विजय, अजय पिता उमाशंकर, विद्यारानी बेवा उमाशंकर,	193/2	0.87	निजी		
3	बालकिशन पिता हरीशंकर,	193/3	0.87	निजी		
4	महादेव उर्फ रामरतन वल्द दयाराम, राजरानी बेवा दयाराम दशरथ वल्द कड़ोरीलाल देवेन्द्र, राकेश, नाबा. वल्द बलि घनश्याम	193/4	0.87	निजी		
5	पूजा, गोविंद, रितु, पिता पूरन, शशि बेवा पूरन	193/5	0.87	निजी		
6	नन्हेंलाल पिता भुवानी	191/1	1.12	निजी	1.12	0.005
7	मूरतसिंह पिता हनुमतसिंह, लल्लनसिंह पिता गुलामसिंह, मानसिंह, हुकमसिंह वल्द चेंतु, श्यामसुंदर, रविशंकर, अमरसिंह, छतरसिंह, पिता मुसाफिरसिंह, कुसुमबाई, जोजे मंगलसिंह, सरदारसिंह वल्द मोतीसिंह, चंदनसिंह, वल्द गोपी, महादेव उर्फ रामरतन, वल्द दयाराम, भूपत वल्द जमनाप्रसाद, नंदकिशोर, द्वारका, संतोषरानी, केसरानी, संध्या, दशरथ, चंद्ररानी बेवा दशरथ, देवेन्द्र, राकेश वल्द बली घनश्याम,	199/1	0.4620	निजी	0.4620	0.123
	अमरसिंह, छतरसिंह, पिता मुसाफिर सिंह, कुसुमबाई जोजे मंगलसिंह, सरदारसिंह वल्द मोतीसिंह, चंदनसिंह वल्द गोपी, श्यामसुंदर, रविशंकर, मूरतसिंह पिता हनुमतसिंह, लल्लनसिंह, पिता गुलामसिंह, मानसिंह, हुकमसिंह, वल्द चेंतु, महादेव उर्फ रामरतन, वल्द दयाराम, भूपत वल्द जमनाप्रसाद, नंदकिशोर, द्वारका, संतोषरानी, केसरानी, संध्या, पिता दशरथ, चंद्ररानी, दशरथ, देवेन्द्र, राकेश, वल्द बलि घनश्याम	199/2	0.008	निजी	0.008	
	राजेन्द्र पिता जगन्नाथ,	215/1,	0.66	निजी	2.39	0.51
	विशाला पिता भुवानी	215/2,	0.66	निजी		
	कैलाश पिता भुवानी	215/3,	0.41	निजी		
	नन्हेंलाल पिता भुवानी	215/4,	0.66	निजी		
8	राजेन्द्र पिता जगन्नाथ,	211	1.36	निजी	1.36	0.120
	विशाल पिता भुवानी			निजी		
	कैलाश पिता भुवानी			निजी		
	नन्हेंलाल पिता भुवानी			निजी		
	मनोज बाई, सीमा, पुत्री भुवानी, रजनी पति जगन्नाथ, आशीष, नेहा पिता जगन्नाथ,			निजी		
9	पूरन पिता चंपालाल	210/1	0.52	निजी	1.52	0.107
10	विनय पिता पूरन	210/2	1.00	निजी		0.205
11	लक्ष्मीबाई पति शिवदीन, कन्हैयालाल पिता हरप्रसाद, सुखरानी/हरप्रसाद	216	1.23	निजी	1.23	0.449
12	महारानी पति गनेश,	274/2	0.74	निजी	0.74	0.072
13	गनेश पिता बाबूलाल	275/1	1.17	निजी	1.17	0.305
14	अरविंद पिता काशीनाथ	275/2	0.55	निजी	0.55	0.248
15	अरविंद पिता काशीनाथ	276/2	0.40	निजी	2.96	0.258
16	अरविंद पिता काशीनाथ	276/1	2.56	निजी		0.120
17	अल्ताफ मुंशी, निसार, इकबाल, इशाक, नब्बी, सिताय, जैनब, जुबैदा, परवीन, पुत्री नब्बी खां, मुबीना बी, पति इकबाल,	273/5/1/1 273/5/1/2 273/5/2	0.5520 0.0040 0.0040	निजी	0.5528	0.008
18	ललिता पति नर्मदाप्रसाद	273/2	0.76	निजी	0.76	0.10
19	बैजनाथ, रोहित, केशव, जगदीश, महेन्द्र, गोपाल पिता नर्मदा, ललिता पति नर्मदा, सुधारानी, दुर्गा, सुषमा पिता नर्मदा	273/3	0.36	निजी	0.36	0.093
20	राजकुमार, शिब्बू, नाबा.पिता खेमचंद बली मां गंगाबाई	273/1	0.56	निजी	0.56	0.086
21	ममता, जानकी, गीता, पुत्री हरीदास, लखन, गोविंद, पिता हरीदास, अवधरानी बेवा हरीदास	288/2	0.34	निजी	0.89	0.04
22	नर्मदाप्रसाद उर्फ बाबूलाल पिता भगोले	288/1	0.55	निजी		
23	लालसिंह पिता नंदकिशोर	287/3	0.35	निजी	0.35	0.138
24	गोपाल पिता नंदकिशोर	287/2	0.38	निजी	0.38	0.303
25	जानकी, गीता, ममता, पिता हरीदास, लखन, गोविंद, पिता हरीदास, अवधरानी बेवा हरीदास	287/1	0.17	निजी	0.17	0.011
26	नर्मदाप्रसाद उर्फ बाबूलाल पिता भगोले	290/1/1	1.18	निजी	2.79	0.444
27	जानकी, गीता, ममता, गोविंद, लखन, पिता हरीदास, अवधरानी, बेवा हरीदास,	290/1/2/1	0.3460	निजी		
28	जानकी, गीता, ममता, गोविंद, लखन, पिता हरीदास, अवधरानी, बेवा हरीदास,	290/1/2/2	0.0040	निजी		
29	गोपाल पिता नंदकिशोर,	290/1/3	0.47	निजी		
30	लालसिंह, पिता नंदकिशोर उर्फ दुर्जन,	290/1/4	0.50	निजी		
31	कमलापत, तेजसिंह, भगवानदास, ललिता, मोहन, रामकली, कलावती, बालकदास, पिता रामकिशन, राधारानी बेवा रामकिशन	290/2	0.29	निजी		
32	बालकिशन पिता हरीशंकर	291	0.38	निजी	0.38	0.048
33	जगदीश, भगवानदास, शंकर, पिता लल्लू	293	0.80	निजी	0.80	0.334
34	श्रीदेवशंकर, पार्वती मंदिर मुह. रामगोपाल वल्द बलराम	292	0.88	निजी	0.88	0.301
35	भगवानदास, पिता रामकिशन, राधारानी बेवा रामकिशन, कमलापत, मोहन, बालकदास, तेजसिंह, पिता रामकिशन, ललिता, कलावती, रामकली, पुत्री रामकिशन	313/1/1	1.30	निजी	1.30	0.391
36	शिवकुमार, ओमकार, राजेन्द्र, पिता मकुन्दीलाल, कमला, पति मुकुन्दी, अनीता, साधना, रेखा, पिता मुकुन्दी	313/2	0.80	निजी	0.80	0.445
37	नर्मदाप्रसाद, रामकिशन पिता भगोरी, लालसिंह, हरीदास, गोपाल, दामोदर, कल्लेदी, नंदकिशोर, माया पुत्री नंदकिशोर रूपरानी बेवा नंदकिशोर	313/1/2	0.07	निजी	0.07	
38	लक्षमन पिता घनश्याम	314/1	0.91	निजी	0.91	0.51
39	महेन्द्र पिता डालचंद साहू	314/2	0.40	निजी	0.40	0.121
		कुल योग			**27.60**	**6.744**

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक-एफ 16-15-(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.9.2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 3.10.14 के पृष्ठ क्रमांक-2895 पर प्रकाशन किया गया है के द्वारा प्रत्येक जिले में डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा और उसके सेवकों, कर्मकारों या उसके निर्देशों के अधीन कार्य करने वाले किसी अन्य व्यक्ति को उस जिले के भीतर अधिनियम की धारा 12 के उपबंधों को क्रियान्वित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। अत: उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी, भू-अर्जन शाखा सागर को अधिनियम की धारा 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये निर्देशित किया जाता है। अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा संभागीय प्रबंधक म.प्र. रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर, प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा जिला सागर के निर्देशन में कार्य करते हुये आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक-एफ 16-15-(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.9.2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 3.10.14 के पृष्ठ क्रमांक-2895 पर प्रकाशन किया गया है के द्वारा अधिनियम की धारा 43 की उपधारा (1) के तहत भू-अर्जन शाखा के प्रभारी अधिकारी जो डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा को पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है। अत: प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा जिला सागर अधिनियम की धारा 16 के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन स्कीम तैयार कर प्रस्तुत करेंगे। इस कार्य में अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा समुचित सहयोग करेंगे एवं संभागीय प्रबंधक म.प्र. रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर समुचित सहयोग करेंगे एवं प्रशासक के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करेंगे।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के **प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर** किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर के समक्ष (कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, रहली में) आक्षेप, यदि कोई हो, फाइल किए जा सकेंगे।

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा संभागीय प्रबंधक म.प्र. रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन संभाग सागर कार्यालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
हस्ता./- (प्रतिभा पाल)
कलेक्टर जिला सागर एवं पदेन अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

म.प्र. माध्यम/127320/2026

प्रधानमंत्री मोदी की खरीदी में संयम बरतने की अपील का असर

सोने के भाव आसमान पर, लेकिन मांग धड़ाम

कम सोना खरीदा, लेकिन ज्यादा खर्च हुआ

एजेंसी .नई दिल्ली

भारत में सोने के प्रति लोगों का आकर्षण हमेशा से मजबूत रहा है, लेकिन वर्ष 2026 की अप्रैल-जून तिमाही में सोने की मांग में गिरावट दर्ज की गई है। ऊंची कीमतों, बढ़ी हुई कस्टम ड्यूटी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोने की खरीदी में संयम बरतने की अपील का असर बाजार पर दिखाई दिया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिलके आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2026 में भारत में सोने की कुल मांग 6 प्रतिशत घटकर 131.4 टन रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 139.7 टन थी। हालांकि मांग घटने के बावजूद सोने पर खर्च होने वाली राशि रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस तिमाही में सोने की खपत का मूल्य करीब 1.98 लाख रुपए करोड़ रहा, जो 2025 की इसी अवधि में 1.32 लाख रुपए करोड़ था।

सोने की कीमतों में भारी तेजी के कारण उपभोक्ताओं को कम मात्रा में सोना खरीदने के लिए भी अधिक भुगतान करना पड़ा। यही वजह रही कि मात्रा के लिहाज से मांग कम हुई, लेकिन कुल खर्च में बड़ा उछाल देखने को मिला। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार सोने की मांग में गिरावट के पीछे मौसमी सुस्ती, कस्टम ड्यूटी में वृद्धि और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील प्रमुख कारण रहे हैं। इस वर्ष मई में प्रधानमंत्री मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने के उद्देश्य से लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी कम करने और अन्य निवेश विकल्पों पर विचार करने की अपील की थी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस अपील का असर उपभोक्ताओं के व्यवहार में देखने को मिला है। अप्रैल-जून तिमाही में आभूषणों की मांग में 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ज्वैलरी की मांग घटकर 75.1 टन रह गई, जबकि पिछले साल यह 88.8 टन थी। हालांकि, सोने के सिक्कों और बिस्कुट में निवेश बढ़ा है। इस श्रेणी में मांग 9 प्रतिशत बढ़कर 50.3 टन पहुंच गई। वहीं, गोल्ड ईटीएफ में भी 4.2 टन का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया।

कस्टम ड्यूटी बढ़ने से तस्करी का खतरा

सोने पर बढ़ी कस्टम ड्यूटी को लेकर उद्योग ने चिंता भी जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक शुल्क के कारण ग्रे मार्केट और अवैध सोने की तस्करी को बढ़ावा मिल सकता है। अप्रैल-जून 2026 में भारत का सोना आयात 23 प्रतिशत घटकर 98.1 टन रह गया। पूरे वर्ष 2026 में भारत में सोने की मांग 650 से 750 टन के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। बाजार की नजर अब आने वाले महीनों पर है। यदि वैश्विक तनाव कम होते हैं, सोने की कीमतों में नरमी आती है या सरकार कस्टम ड्यूटी में राहत देती है, तो सोने की मांग में दोबारा तेजी आने की संभावना जताई जा रही है।

पेट्रोल-डीजल की मांग बढ़ी, एलपीजी की खपत में गिरावट जारी

जुलाई में 34.5 लाख टन पेट्रोल और 71.2 लाख टन डीजल की बिक्री

एजेंसी .नई दिल्ली

देश में कमजोर और देरी से आए मानसून का असर ईंधन की मांग पर साफ दिखाई दिया है। जुलाई 2026 में सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ,भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की पेट्रोल और डीजल बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, एलपीजी की बिक्री में लगातार गिरावट देखने को मिली है। उद्योग के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2026 में पेट्रोल की बिक्री 9.7 प्रतिशत बढ़कर 34.5 लाख टन पहुंच गई, जबकि जुलाई 2025 में यह आंकड़ा 31.4 लाख टन था। जुलाई 2024 की तुलना में पेट्रोल बिक्री में 15.1 प्रतिशत और जुलाई 2023 के मुकाबले 36.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि जून 2026 की तुलना में जुलाई में पेट्रोल बिक्री 1.1 प्रतिशत कम रही। देश में सबसे अधिक उपयोग होने वाले ईंधन डीजल की बिक्री जुलाई में 10.7 प्रतिशत बढ़कर 71.2 लाख टन हो गई। पिछले साल जुलाई में डीजल की बिक्री 64.3 लाख टन रही थी। डीजल की मांग बढ़ने की प्रमुख वजह कृषि क्षेत्र में इसका अधिक उपयोग बताया जा रहा है। कमजोर मानसून के कारण कई क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए डीजल पंपों का ज्यादा इस्तेमाल करना पड़ा, जिससे डीजल की खपत बढ़ी। जुलाई 2024 की तुलना में डीजल बिक्री में 11.5 प्रतिशत और जुलाई 2023 के मुकाबले 12.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि जून 2026 की तुलना में जुलाई में डीजल बिक्री 9.2 प्रतिशत कम रही।

एलपीजी की बिक्री में 17.4 प्रतिशत गिरावट

दूसरी ओर, जुलाई 2026 में एलपीजी की बिक्री में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एलपीजी की खपत 17.4 प्रतिशत घटकर 23.7 लाख टन रह गई। उद्योग अधिकारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट के दौरान एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने के बाद कई उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों ने पाइप्ड नेचुरल गैस का इस्तेमाल शुरू कर दिया था। अब एलपीजी आपूर्ति सामान्य होने के बावजूद कई उपभोक्ता पीएनजी पर ही बने हुए हैं, जिससे एलपीजी की मांग में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। जुलाई 2025 की तुलना में एलपीजी खपत 13.3 प्रतिशत कम रही, जबकि जुलाई 2023 के मुकाबले इसमें 1.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सार समाचार

'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' के टॉप 100 इनोवेटर्स घोषित

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया ने अपने युवा नवाचार कार्यक्रम 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' के पांचवें संस्करण के लिए चुनी गई टॉप 100 टीमों की घोषणा की है। इस बार चयनित टीमों में 50 प्रतिशत से अधिक प्रतिभागी टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं, जिनमें बिहार के बक्सर, असम के कामरूप, हरियाणा के कैथल, मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम और तेलंगाना के मेडचल-मलकजगिरी जैसे शहर शामिल हैं। कंपनी के अनुसार अब टॉप 100 टीमें आईआईटी दिल्ली के एफआईटीटी, उद्योग विशेषज्ञों और स्टार्टअप मेंटर्स के मार्गदर्शन में अपने विचारों को विकसित करेंगी। इसके बाद टॉप 40 और फिर टॉप 20 टीमों का चयन होगा। विजेता चार टीमों को कुल 2 करोड़ रुपए तक की इनक्यूबेशन ग्रांट और अपने नवाचार को व्यावसायिक रूप देने के लिए विशेष सहयोग मिलेगा।

रुपए पर एक नज़र

प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले में रुपया

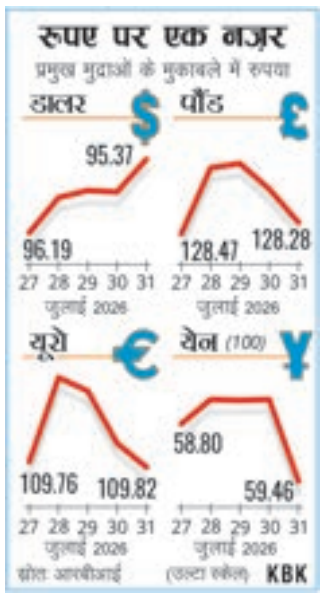

होंडा टू-व्हीलर की बिक्री में तेजी, 5.42 लाख यूनिट्स बिकीं

गुरुग्राम। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने जुलाई 2026 में कुल 5.42 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। जुलाई 2025 में कंपनी ने 5.15 लाख यूनिट्स की बिक्री की थी। कंपनी के अनुसार, जुलाई 2026 में घरेलू बिक्री 4.76 लाख यूनिट्स रही, जिसमें सालाना 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं निर्यात 0.66 लाख यूनिट्स रहा, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 35 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2026-27 (अप्रैल-जुलाई) के पहले चार महीनों में एचएमएसआई ने 21.54 लाख यूनिट्स की कुल बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है।

होम क्रेडिट ने बताए वित्तीय परिपक्वता के तीन नियम

नई दिल्ली। होम क्रेडिट इंडिया ने युवाओं, खासकर जेन-जी, के लिए वित्तीय परिपक्वता के तीन अहम नियमों पर जोर देते हुए समय रहते बचत और निवेश की आदत अपनाने की सलाह दी है। कंपनी का कहना है कि जल्दी बचत और समझदारी से किया गया निवेश भविष्य में वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने की मजबूत नींव बन सकता है। होम क्रेडिट इंडिया के अध्ययन 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025' के अनुसार, केवल 56 प्रतिशत जेन-जी ही अपने मासिक खर्चों के बाद कोई उल्लेखनीय बचत कर पाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल भुगतान और सोशल मीडिया से प्रभावित खरीदारी की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण युवाओं के लिए वित्तीय अनुशासन पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

भारत ने 84,084 करोड़ रुपए की 'समुद्र मंथन' योजना शुरू की

गहरे समुद्र में तेल-गैस खोज के लिए सरकार देगी आधा खर्च, 650 करोड़ रुपए का प्लान

एजेंसी .नई दिल्ली

भारत बजट के जरिए मदद देकर, समुद्र में तेल और गैस की ज़्यादा जोखिम वाली खोज के लिए दुनिया के पहले बड़े कार्यक्रमों में से एक शुरू करने जा रहा है। सरकार का यह कदम देश के गहरे पानी में मौजूद विशाल और अब तक इस्तेमाल न किए गए भंडार का पता लगाकर, आयातित कच्चे तेल और गैस पर देश की बढ़ती निर्भरता को कम करने की एक कोशिश है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले हफ्ते 84,084 करोड़ रुपए की 'समुद्र मंथन नेशनल ऑफ शोर एक्सप्लोरेशन स्कीम' को मंजूरी दी। इस योजना के तहत, सरकार गहरे समुद्र और बहुत गहरे पानी वाले इलाकों में एक्सप्लोरेशन कुओं की ड्रिलिंग की आधी लागत, या 650 करोड़ रुपए सीधे तौर पर उठाएगी।

प्राइवेट कंपनियां ज्यादा जोखिम वाले एक्सप्लोरेशन से बचती रहीं

अधिकारियों ने बताया कि प्राइवेट कंपनियां ज्यादा जोखिम वाले एक्सप्लोरेशन (खोज) से बचती रही हैं, क्योंकि अगर कोई ऐसा हाइड्रोकार्बन नहीं मिलता जिससे कमर्शियल फायदा हो सके, तो किए गए निवेश को नुकसान मानकर बट्टे खाते में डालना पड़ता है। एक अधिकारी ने कहा कि वे सिर्फ पहले से खोजी गई जगहों से प्रोडक्शन पर ही पैसा खर्च कर रहे थे, नई खोज की गतिविधियों के लिए शायद ही कोई फंड दिया गया, जबकि नए रिसोर्स खोजने के लिए ये गतिविधियाँ बहुत ज़रूरी हैं। इस स्कीम के तहत 84,084 करोड़ रुपए का बजट, खोज (एक्सप्लोरेशन) की वैल्यू चेन के सबसे जोखिम वाले हिस्से पर केंद्रित है। इस रकम का आधे से ज्यादा हिस्सा (43,200 करोड़ रुपए) खास तौर पर 2031 में खत्म होने वाले पांच साल के दौरान गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के लिए आवंटित किया जाएगा। यह रकम योजनाबद्ध 60 कुओं में से हर एक के लिए लगभग 650 करोड़ रुपए बैठती है।

सरकार साझा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी आंशिक रूप से फंड देगी

उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में बजट के ज़रिए कुल 60 डीप-वॉटर और अल्ट्रा-डीप-वॉटर एक्सप्लोरेशन कुओं के लिए फंड दिया जाएगा। एक्सप्लोरेशन कुओं की ड्रिलिंग के खर्च का कुछ हिस्सा उठाने के अलावा, सरकार साझा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी आंशिक रूप से फंड देगी। इससे कई ऑपरेटर साझा एसेट्स का इस्तेमाल करके हाइड्रोकार्बन की खोजों का कमर्शियल इस्तेमाल कर सकेंगे।

शीर्ष 10 में शामिल देश की 9 कंपनियों के

मार्केट कैप में 2.51 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल नौ कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई, जबकि एक कंपनी के मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की गई। देश में मार्केट कैप के मामले में शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से नौ के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 2.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा बजाज फाइनेंस को हुआ, जबकि मार्केट कैप में बढ़ोतरी के मामले में दूसरा स्थान भारती एयरटेल ने हासिल किया। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सिर्फ एक कंपनी के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। पिछले सप्ताह के पांच में से चार कारोबारी दिनों के दौरान उत्साह के साथ हुए कारोबार के बावजूद मार्केट कैप में गिरावट का सामना करने वाली एकमात्र कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर रही। सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टूब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में 2,51,228.75 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 10,326.46 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 80,345.97 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,10,817.51 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 44,959.50 करोड़ रुपये उछल कर 12,30,005.63 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सरकार ने जारी किया विधिक माप विज्ञान नियम-2011 में संशोधन का नया ड्राफ्ट

कम तौल और गलत माप पर 1 लाख तक जुर्माना, फेरीवालों को राहत

व्यापार प्रतिनिधि .भोपाल

मध्यप्रदेश में सामान कम तौलने और नापतौल में गड़बड़ी करने वाले व्यापारियों पर अब सख्ती की तैयारी है। राज्य सरकार ने विधिक माप विज्ञान नियम-2011 में संशोधन का नया ड्राफ्ट जारी किया है। इसमें गलत माप, अमानक बाट-तराजू के इस्तेमाल और नियमों के उल्लंघन पर 1 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी ड्राफ्ट अभी अंतिम रूप से लागू नहीं हुआ है। सरकार ने व्यापारियों और संबंधित पक्षों से 30 दिनों के भीतर सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। सुझावों पर विचार के बाद नए नियमों को लागू किया जाएगा। प्रस्तावित नियमों में छोटे कारोबारियों को राहत देने का प्रावधान भी रखा गया है। फेरीवालों और साप्ताहिक बाजारों में दुकान लगाने वाले छोटे व्यापारियों के लिए आपसी समझौता राशि में राहत दी जाएगी। हालांकि, अमानक बाट-तराजू का उपयोग करने, सामान कम तौलने और बिना पंजीयन व्यापार करने पर कार्रवाई का प्रावधान रहेगा।

अधिकारियों को जांच के विशेष अधिकार

नए नियम लागू होने के बाद नापतौल विभाग के अधिकारियों को दुकानों और फैक्ट्रियों में जांच के अधिक अधिकार मिलेंगे। अधिकारी कभी भी प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर सकेंगे और कांटे, बाट, पैकेट समेत जरूरी दस्तावेजों की जांच कर सकेंगे।

फ्लिपकार्ट मिनट्स पर एफटीएक्स की एंट्री

कोलकाता । फोरकास स्टूडियो लिमिटेड ने अपने प्रमुख फैशन ब्रांड एफटीएक्स को फ्लिपकार्ट मिनट्स पर लांच कर दिया है। 29 जुलाई 2026 से शुरू हुई इस सेवा के तहत ग्राहक अब एफटीएक्स के चुनिंदा फैशन उत्पादों की डिलीवरी मात्र 20 मिनट में प्राप्त कर सकेंगे। कंपनी के अनुसार यह लांच उसकी ओम्नीचैनल ग्रोथ स्ट्रैटेजी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर फोरकास स्टूडियो की मौजूदगी और मजबूत होगी तथा ग्राहकों को तेज, सुविधाजनक और बेहतर शॉपिंग अनुभव मिलेगा। कंपनी का मानना है कि फैशन सेक्टर में क्विक कॉमर्स तेजी से उभरता हुआ बाजार बन रहा है।

कारोबारियों को मिलेगी बड़ी राहत

वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम में कटौती का व्यापारिक संगठनों ने किया स्वागत

व्यापार प्रतिनिधि .भोपाल

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम में करीब 209 रुपए तक की गई कटौती का विभिन्न व्यवसायिक संगठनों ने स्वागत किया है। संगठनों का कहना है कि इससे होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग, छोटे कारोबारियों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बढ़ती लागत के बीच बड़ी राहत मिलेगी। संगठनों का कहना है कि लगातार दूसरे महीने हुई कीमतों में कमी से होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग और खाद्य व्यवसाय से जुड़े लाखों व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी। भोपाल होटल- रेस्टोरेंट व्यवसायी एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली व्यापारी संगठनों ने कहा कि सरकार और तेल कंपनियों का यह कदम राहत देने वाला है। इससे खासकर छोटे होटल संचालकों, भोजनालयों, मिठाई दुकानदारों और स्ट्रीट फूड कारोबारियों को लाभ मिलेगा। संगठनों ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में व्यापार से जुड़ी अन्य लागतों को कम करने के लिए भी सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स मध्यप्रदेश के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र मिश्रा ने कहा कि यदि कोई मध्यम आकार का होटल या रेस्टोरेंट हर महीने 40 वाणिज्यिक सिलेंडर उपयोग करता है, तो उसे लगभग 8,000 से 8,400 रुपए की मासिक बचत होगी। वहीं, 100 सिलेंडर उपयोग करने वाले बड़े प्रतिष्ठानों को 20,000 से 21,000 रुपए तक की राहत मिल सकती है। संगठन ने बताया कि नई दरों के अनुसार मध्य प्रदेश में 19 किलोग्राम वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत भोपाल में लगभग 2,922.50 रुपए , इंदौर में 3,029.50 रुपए , ग्वालियर में 3,112.50 रुपए और जबलपुर में 3,899.50रुपए हो गई है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहाकि प्रदेश में होटल, भोजनालय, डेयरी, मिठाई व्यवसाय, कैटरिंग और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों सहित बड़ी संख्या में कारोबारी वाणिज्यिक एलपीजी का उपयोग करते हैं। ऐसे में इस निर्णय से लाखों व्यापारियों और उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा छोटे कारोबारियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी मजबूत होगी। कुंदन नमकीन के प्रेमनारायण यादव ने कहा कि वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम कम होने से व्यापारियों के खर्च में कमी आएगी। छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए यह राहत भरा कदम है। इससे कारोबार को गति मिलेगी और बाजार में सकारात्मक माहौल बनेगा। उन्होंने कहा कि महंगाई के दौर में इस तरह के फैसले व्यापार जगत का भरोसा बढ़ाते हैं और छोटे कारोबारियों को आगे बढ़ने में मदद करते हैं। मिष्ठान विक्रेता मोहन शर्मा होटल, रेस्टोरेंट और खाद्य व्यवसाय में गैस सबसे महत्वपूर्ण खर्चों में से एक है। कीमतों में कमी से कारोबारियों को राहत मिलेगी और इसका फायदा उपभोक्ताओं तक भी पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती लागत के कारण व्यापारियों के सामने चुनौतियां बढ़ रही थीं।

काइनेटिक ईवी की नई डीलरशिप खुली

भोपाल। काइनेटिक इंडिया की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई काइनेटिक वाट्स एंड वोल्ट्स लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए हरदा में नई ईवी डीलरशिप की शुरुआत की है। कंपनी का कहना है कि इस विस्तार का उद्देश्य प्रदेश के उभरते बाजारों में ग्राहकों तक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक सुलभ बनाना और बिक्री के साथ बेहतर सर्विस सुविधा उपलब्ध कराना है। नई डीलरशिप काइनेटिक ईवी- पूनम काइनेटिक इंदौर रोड स्थित साईं मंदिर के पास सेलेक्ट होंडा शोरूम परिसर में शुरू की गई है। यहां ग्राहकों को इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बिक्री, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की एकीकृत सुविधाएं मिलेंगी। कंपनी के अनुसार यह केंद्र हरदा और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती ईवी मांग को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा।

एयर इंडिया ने भोपाल से शुरू की उड़ानें

भोपाल। राजधानी भोपाल की हवाई कनेक्टिविटी को बड़ा विस्तार मिला है। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने आज राजा भोज एयरपोर्ट से अपनी नियमित उड़ान सेवाओं की शुरुआत कर दी है। एयरलाइन अब भोपाल से दिल्ली के लिए प्रतिदिन दो और मुंबई के लिए प्रतिदिन एक सीधी उड़ान संचालित करेगी। भोपाल से दिल्ली के लिए पहली उड़ान दोपहर 12.45 बजे रवाना होकर 2.15 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची। वहीं, मुंबई के लिए पहली उड़ान 1.40 बजे उड़ान भरकर 3.25 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची। इन उड़ानों की बुकिंग एअर इंडिया एक्सप्रेस के मोबाइल ऐप और अन्य प्रमुख बुकिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जा सकती है। एयरलाइन ने हाल ही में इंदौर-अबू धाबी के बीच सीधी उड़ान सेवा भी शुरू की है, जिससे मध्य प्रदेश की अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को मजबूती मिली है। भोपाल से संचालन शुरू होने के बाद अब एअर इंडिया एक्सप्रेस भोपाल, इंदौर और ग्वालियर से हर सप्ताह लगभग 55 उड़ानों का संचालन करेगी।

अडाणी फाउंडेशन 8 हजार प्रभावित परिवारों तक पहुंचा

गौतम अडाणी ने दिए असम बाढ़ राहत के लिए 11 करोड़ रुपए

एजेंसी .गुवाहाटी

पहुंचाई जा रही करीब 8,000 प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री

असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 11 करोड़ रुपए का योगदान दिया है। यह राशि राज्य में राहत, पुनर्वास और प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए उपयोग की जाएगी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने गौतम अडाणी के इस सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि यह योगदान बाढ़ प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने के राज्य सरकार के प्रयासों को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह ने बिना किसी प्रचार के प्रभावित परिवारों की मदद के लिए संसाधन जुटाए हैं, जो असम के लोगों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत कोष में समाज के विभिन्न वर्गों से लगातार सहयोग मिल रहा है और प्रत्येक राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ प्रभावित लोगों के पुनर्निर्माण में किया जाएगा। उन्होंने संकट की घड़ी में असम के लोगों के साथ खड़े रहने के लिए अडाणी समूह का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में अडाणी फाउंडेशन ने अडाणी स्मार्ट मीटर और गुवाहाटी इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सहयोग से ऊपरी असम में बाढ़ राहत अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत शिवसागर जिले के नाजिरा उप-मंडल और धीमाजी जिले के सिलापाथर क्षेत्र में करीब 8,000 बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। राहत किट में आवश्यक खाद्य सामग्री, दवाइयां, स्वच्छता और व्यक्तिगत साफ-सफाई से जुड़ी सामग्री शामिल है, जिससे प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता मिल सके। राहत अभियान नाजिरा क्षेत्र के कई गांवों और सिलापाथर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में संचालित किया जा रहा है। अडाणी फाउंडेशन की राहत टीमें यह सुनिश्चित कर रही हैं कि दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों तक भी सहायता पहुंचे। फाउंडेशन का कहना है कि राहत कार्य केवल तत्काल मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रभावित समुदायों के पुनर्वास और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए मजबूत बनाने की दिशा में भी लगातार काम किया जाएगा।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक सोमवार से, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 3 अगस्त से शुरू होकर पांच अगस्त तक चलेगी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली बैठक के निर्णय की जानकारी संजय मल्होत्रा 5 अगस्त को देंगे। आर्थिक मामलों के जानकारों ने रविवार को बताया कि आरबीआई पश्चिम एशिया संकट और महंगाई के जोखिमों को देखते हुए इस बार भी अपने नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और उसे 5.25 फीसदी पर यथावत (अपरिवर्तित) रख सकता है। केंद्रीय बैंक ने वृद्धि दर को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 1.25 फीसदी की कटौती की थी। आरबीआई वर्तमान रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा है।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को बम बम भोलेनाथ के जयकारों गूंजे शिवालय

स्वदेश ज्योति संवाददाता, जीरापुर

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को भक्ति मय वातावरण निर्मित हो गया प्रात: से ही शिवालयों में शिव भक्तों द्वारा पहुंच कर भगवान भोलेनाथ का पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया गया नगर में प्राचीन शिवालय त्रंबकेश्वर महादेव मंदिर चौपड़ा बाजार में विगत 80 वर्षों से श्रावण मास में मास पारायण का आयोजन शिव मंडल द्वारा रामचरितमानस की चौपाइयों का पाठ कर प्रत्येक दिन एक विश्राम किया जाता है यह मंदिर होल्कर राजवंश की महारानी परमशिव भक्त जिन्होंने अपने राज्य के कार्यकाल के दौरान कहीं राज्यों में शिवालय बनवाकर भगवान भोलेनाथ की प्राण प्रतिष्ठा करवाई थी उन्हें में से एक शिवालय नगर में स्थापित किया गया उनके राज्य में प्रत्येक आदेश हुजूर शिवशंकर का आदेश है इस नाम से निकाला जाता था इतिहासकारों के अनुसार जीरापुर नगर जो की एक जरिया भील नमक व्यक्ति ने बसाया था वहां आगे चलकर जीरापुर नाम से प्रचलित हो गया यहां पर अनेक चमत्कारिक उदाहरण देखने को मिले यहां पर दो-तीन बार चोरियां हुई परंतु कुछ ही दिनों बाद चोरों चुराई गई संपूर्ण सामग्री यथावत स्थान पर लाकर रख दी गई कहीं बार तो प्रात: कालीन जब मंदिर कपट खोले गए तो कहीं लोगों को चमत्कारिक रोशनी दिखाई दी इस प्रकार से इस मंदिर के कहीं उदाहरण है श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को बाबा त्रंबकेश्वर महादेव अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकले शाम 5:00 बजे त्राबकेश्वर महादेव मंदिर से सवारी प्रारंभ होकर चौपड़ा बाजार, शाहजी मोहल्ला, भावसार मोहल्ला, गांधी बस्ती, बस स्टैंड, विवेकानंद चौराह, इंदर चौराह, अटल चौक बुधवारीया बाजार, होते हैं पुन: मंदिर पर पहुंचती श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर बंसल कॉलोनी, शिवशक्ति धाम मंदिर, पिपलेश्वर महादेव मंदिर, जटाशंकर महादेव मंदिर, शिव शंकर ताल महादेव मंदिर छापिडेम , महाकालेश्वर महादेव मंदिर जनपद पंचायत परिसर, कल्प वृक्ष परिसर स्थित महादेव मंदिर, आदि शिवालयों में शिवभक्तों द्वारा विशेष श्रृंगार किया गया संध्या आरती में बड़ी तादाद में लोगों द्वारा सम्मिलित होकर भगवान भोलेनाथ का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

जमीनी विवाद में दंपत्ति से मारपीट, जिला अस्पताल में भी हमले की कोशिश का आरोप, घटना का लाइव वीडियो आया सामने

स्वदेश ज्योति संवाददाता, छतरपुर

जिले की पड़रिया चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत अतरार में जमीनी विवाद को लेकर एक दंपती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित नरेंद्र कुशवाहा ने आरोप लगाया है कि रविवार देर रात गांव के आदित्य विश्वकर्मा ने अपने करीब आधा दर्जन साथियों के साथ लाठी-डंडों से लैस होकर उनके घर पहुंचकर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने नरेंद्र के साथ उनकी पत्नी लक्ष्मी कुशवाहा से भी मारपीट की। पीड़ित के मुताबिक शोर-शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना डायल-112 को दी गई, जिसके बाद पुलिस की मदद से घायल नरेंद्र और उनकी पत्नी लक्ष्मी को उपचार के लिए जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया गया। नरेंद्र कुशवाहा का आरोप है कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे आदित्य विश्वकर्मा अपने 10 से 15 साथियों के साथ जिला अस्पताल पहुंच गया। आरोप है कि यहां भी नरेंद्र पर हमला करने का प्रयास किया गया और छुरे से हमला करने की कोशिश की गई। अस्पताल परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला, जिससे बड़ी घटना टल गई। जिला अस्पताल में हुए घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मारपीट और विवाद की स्थिति दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में विवाद होने से वहां कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। पीड़ित पक्ष ने पूरे मामले की शिकायत पड़रिया चौकी पुलिस से की है। फिलहाल नरेंद्र कुशवाहा और उनकी पत्नी लक्ष्मी कुशवाहा का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। प्रारंभिक तौर पर विवाद के पीछे जमीन संबंधी मामला बताया जा रहा है। पुलिस शिकायत और सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और आगे की कानूनी कार्रवाई पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी।

सावन के पहले सोमवार पर पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वदेश ज्योति संवाददाता, मंदसौर

सावन माह के पहले सोमवार को विश्व प्रसिद्ध अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। तड़के मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंगला आरती हुई, जिसके बाद दर्शन और पूजन का क्रम शुरू हो गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में लंबी कतारें लग गईं और दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने भगवान पशुपतिनाथ को बेलपत्र, धतूरा और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। मंदिर परिसर दिनभर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजता रहा। दोपहर में विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती का आयोजन किया गया, जबकि शाम को संध्या आरती, भजन-कीर्तन और रात्रि में शयन आरती के उपरांत मंदिर के पट निर्धारित समय पर बंद किए गए। श्रद्धालुओं की अधिक संख्या को देखते हुए पूर्व निर्धारित व्यवस्था के तहत गर्भगृह में प्रवेश प्रतिबंधित रखा गया। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाहर से ही भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन किए। मंदिर के पुजारी राकेश भट्ट ने बताया कि सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। सावन के प्रथम सोमवार के अवसर पर भगवान पशुपतिनाथ का विशेष श्रृंगार किया गया।

श्री नित्यानंद भक्त मंडल आगर की बैठक संपन्न

आगर मालवा। प्रति वर्ष होने वाला वार्षिक श्रावण महोत्सव 2026 को लेकर भक्त मंडल के अध्यक्ष देवेंद्र उपाध्याय ने जानकारी देते हुवे बताया है कि इस वर्ष भी 09 अगस्त रविवार 2026 को बाबा बैजनाथ धाम में श्री नित्यानंद भक्त मंडल द्वारा श्रावण महोत्सव हर्षोउल्लास से मनाने का निर्णय भक्त मंडल के सदस्यों ने बैठक में निर्णय लिया।

मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल

R-23, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल
Website : https://labour.mp.gov.in/Default.aspx
दूरभाष : 0755-2552663, फैक्स : 0755-2552662
ई-मेल : bocboard@mp.gov.in

इम्पैनलमेंट सूचना

म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल भोपाल द्वारा मण्डल मुख्यालय एवं अन्य राज्य/संभाग/जिला स्तरीय श्रम कार्यालयों में आउटसोर्स पर उच्चकुशल/कुशल/अर्द्धकुशल/अकुशल श्रमिक की सेवाएं उपलब्ध करवाये जाने हेतु प्रतिष्ठित एवं पंजीकृत फर्मों से इम्पैनलमेंट हेतु निविदा प्रस्ताव ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **"https://mptenders.gov.in"** के माध्यम से दिनांक 25.08.2026 को सायं 6:00 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं। प्राप्त निविदा प्रस्ताव दिनांक 31.08.2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे खोले जावेंगे। **Request for Empanelment (RFE)** का विस्तृत विवरण, प्रपत्र एवं शर्तें **"https://mptenders.gov.in"** तथा मण्डल के पोर्टल **https://labour.mp.gov.in/mpboc/** पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/127315/2026 **सचिव**

पश्चिम मध्य रेल
कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक
कार्मिक शाखा/जबलपुर, पिन-482001

अधिसूचना सं. पमरे/का-जबल/राज/सी.एम.पी. दि. 24.07.2026

पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर मंडल में पूर्णकालिक संविदा आधार पर चिकित्सकों की नियुक्ति हेतु साक्षात्कार का आयोजन

जबलपुर मंडल में संविदा आधार पर पूर्णकालिक सामान्य ड्यूटी चिकित्सकों की रिक्तियों को भरने हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। नियुक्ति की अवधि नियुक्ति की तिथि से एक वर्ष अथवा रेलवे के अस्थाई आईआरएचएस उम्मीदवार की उपलब्धता तक जो पहले हो, के लिए दी जाएगी। पात्र अभ्यर्थी निम्नानुसार दिये हुये तिथि, समय एवं स्थान पर साक्षात्कार हेतु उपस्थित होवें –

साक्षात्कार का स्थान	दिनांक	समय
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कक्ष, रेलवे चिकित्सालय, पमरे, जबलपुर	10.08.2026 (सोमवार)	10:00 बजे से 16:00 बजे

1. **रिक्तियों के विरुद्धः कुल - 01** (अनारक्षित–01, अन्य पिछड़ा वर्ग–00, अनुसूचित जाति–00, अनुसूचित जनजाति–00)

क्र.	चिकित्सालय का नाम	रिक्तियां	विशेषज्ञता	शैक्षणिक योग्यता
1	हेल्थ यूनिट, सागर	01	सीएमपी–सामान्य ड्यूटी	एम.बी.बी.एस.
	कुल	01		

2. **पारिश्रमिक:**

संविदा चिकित्सकों की श्रेणी	मासिक पारिश्रमिक रुपये में
जीडीएमओ	95,000/-

सेवानिवृत्त रेलवे/शासकीय चिकित्सक को मिलने वाला पारिश्रमिक और पेंशन का योग उनके अंतिम वेतन से अधिक नहीं होगा।

विस्तृत नियम एवं शर्तें नीचे लिखे लिंक पर उपलब्ध है – **http://www.wcr.indianrailways.gov.in.**

मंडल कार्मिक अधिकारी, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कलेक्टर जिला सागर एवं पदेन अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

क्रमांक/0032/अ-82/वर्ष 2025-26/6840 सागर, दिनांक : 27.07.2026

मौजा गढ़ाकोटा प.ह.नं. 30 तह. गढ़ाकोटा जिला सागर

प्रारंभिक सूचना

(देखिये धारा-11)

चूंकि पदेन अपर सचिव को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची-1 में वर्णित भूमि की राज्य शासन के विभाग संभागीय प्रबंधक म.प्र.रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर संभाग सागर द्वारा सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यक है। प्रकरण में प्राप्त सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट अनुसार सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस. एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण से सुचारू आवागमन हो जावेंगे तथा सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण से संभाव्य फायदे सामाजिक खर्च और प्रतिकूल सामाजिक समाघातों की तुलना में भी बहुत अधिक है। अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि सागर जिले में सागर-दमोह मार्ग (एस. एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण कार्य हेतु पूर्ण रूप से उपयुक्त है, परियोजना के निर्माण से व्यापक लोकहित निहित है। अत: भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अनुसार इस सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा उक्त परियोजना हेतु भूमि का अर्जन किया जाता है।

परियोजना का नाम :- सागर-दमोह मार्ग (एस.एच. 63) के प्रस्तावित 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (HAM) योजना अंतर्गत मार्ग निर्माण

भूमि का विवरण:-

1.	जिला	सागर
2.	तहसील	गढ़ाकोटा
3.	नगरपालिका परिषद/ग्राम पंचायत	गढ़ाकोटा
4.	अर्जित भूमि का कुल क्षेत्रफल	12.7049 हे.

अनुसूची-1

स. क्र.	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता (राजस्व अभिलेख अनुसार)	खसरा नंबर	स्वामित्व का प्रकार	कुल क्षेत्रफल रकबा हेक्टेयर में	अर्जन का क्षेत्रफल (हे.)
1	2	3	4	5	6
1	मालती बेवा उम्मेद, यशवंत, हरिकृष्ण, पिता उम्मेद मनीषा, उम्मेद-मोहन रामचरण साहू, मालती नरेन्द्र रामू दयाराम, रामनारायण कन्हैयालाल मदन, रामचरण साहू हरीभजन गणेश, राकेश कुमार गणेश प्रसाद, साधना पुत्री कालूलाल सुनील, सूर्या गौरव सोनी भावना, सुधीश सोनी	504/1/1/1/1	निजी	0.2520	0.0220
2	शुभांक पिता फूलचंद	510/3	निजी	0.0200	0.0040
3	हरिशंकर पिता हलकाई	510/2	निजी	0.0200	0.0050
4	आमिर पिता सुखराती	510/1	निजी	0.0200	0.0070
5	दिनेश पिता काशीराम	511/2/1	निजी	1.2700	0.0070
6	साकिर पिता बब्बू पिता साबिर पिता बब्बू	511/2/2	निजी	0.4000	0.0110
7	खुशालचंद पिता कालूलाल	511/1	निजी	1.2000	0.0570
8	श्री देव जगदीश स्वामी मंदिर मु. महंत हरिदास चेला महंत जागेश्वर दास प्रबंधक कलेक्टर महोदय सागर	603	निजी	21.8000	0.6550
9	आभा वीरेन्द्र कुमार भार्गव	587/2	निजी	0.1200	0.0080
10	पवन वर्षा प्रकाश पंकज	587/1	निजी	0.1200	0.0100
11	योगेश पिता हुकमचंद	584	निजी	1.9700	0.1340
12	शुभम पिता गोपाल	512/5	निजी	1.4000	0.5290
13	लखनलाल पिता श्रीराम उर्फ म्याऊँ, खेमचंद पिता श्रीराम उर्फ म्याऊँ	513	निजी	1.010	0.3410
14	लखनलाल खेमचंद श्रीराम उर्फ म्याऊँ	521	निजी	0.4000	0.0280
15	चतुर्भुज कोमल भगवानदास, मुकेश पिता जुगल सुखारानी बेवा जुगल	520	निजी	0.4300	0.0180
16	लखनलाल खेमचंद पिता श्रीराम उर्फ म्याऊँ	515	निजी	0.8400	0.1850
17	भगवानदास पिता जुगलकिशोर	516	निजी	1.8100	0.2890
18	भगवानदास कोमल चतुर्भुज, मुकेश पिता जुगल सुखारानी बेवा जुगल	449	निजी	2.6300	0.2510
19	पार्वती बाई गोरेलाल	490	निजी	0.8000	0.0120
20	जनकरानी बैजनाथ बैजनाथ भगवानसिंह	491	निजी	1.6100	0.0340
21	श्री देव जगदीश स्वामी मंदिर मु. महंत हरिदास चेला महंत जागेश्वर दास प्रबंधक कलेक्टर महोदय सागर	492	निजी	0.4300	0.0120
22	सुषमा पति अनिल	493/3	निजी	0.4000	0.0060
23	सुषमा पति अनिल	493/1	निजी	0.2000	0.0140
24	सुषमा पति अनिल कुमार	493/7	निजी	0.0400	0.0010
25	शिवराज ब्रजेश सौरभ सुरेश	493/5	निजी	0.0400	0.0010
26	सौरभ सुरेश शिवराज ब्रजेश	493/2	निजी	0.2000	0.0040
27	नरेंद्र धीरज	493/6/3	निजी	0.0400	0.0010
28	रामशरण पिता शारदा प्रसाद	493/6/2	निजी	0.0400	0.0010
29	विजय पिता शारदा प्रसाद	493/6/1	निजी	0.0400	0.0020
30	मंजू पवन कुमार	494/2	निजी	1.1200	0.0130
31	राजीव पिता उमाशंकर	495/1	निजी	0.6860	0.0050
32	दिशपाल पिता दौलत सिंह	504/3/2	निजी	0.0800	0.0090
33	गुंजेंद्र पिता रघुनाथ	504/3/1	निजी	0.0700	0.0050
34	संतोष पिता लीलाधर	504/5	निजी	0.2300	0.0019
35	पुन्नू पिता लीलाधर	504/4/1	निजी	0.2240	0.0100
36	राजेश पिता मुन्नालाल	504/4/2	निजी	0.0160	0.0010
37	हरीभजन पिता गणेश	504/1/2	निजी	0.0900	0.0060
38	रामू दयाराम मालती नरेंद्र महेश दामोदर मालती बेवा उम्मेद यशवंत हरिकृष्ण पिता उम्मेद मनीषा उम्मेद राकेश कुमार गणेश प्रसाद साधना पुत्री बाबूलाल सुनील रामनारायण कन्हैयालाल हरीभजन गणेश दशरथ प्रसाद दामोदर	504/1/1/2	निजी	0.0230	0.0010
39	सीताराम पिता लक्ष्मन	517/3	निजी	0.4000	0.0350
40	लक्ष्मन पिता मनमोहन	448/3	निजी	0.9300	0.3290
41	हेमंत पिता कमोद	448/2/1	निजी	0.4400	0.0070
42	कैलाश पिता कमोद	448/2/2	निजी	0.5000	0.0070
43	गोरेलाल पिता मनमोहन	448/1	निजी	0.9400	0.2280
44	गोरेलाल पिता मनमोहन	446/2/1	निजी	0.0600	0.0220
45	हेमंत पिता कमोद	446/2/2	निजी	0.060	0.0070
46	प्रेमरानी दुर्गा प्रसाद राजकुमार दुर्गा	446/1	निजी	0.8400	0.3050
47	प्रेमरानी दुर्गा राजकुमार दुर्गा	445/1	निजी	0.4200	0.0780
48	गोविंद बालकिशन दयाशंकर बालकिशन संतोष मीराबाई संतोष	442	निजी	0.3600	0.2710
49	दीनदयाल मैयालाल	440	निजी	2.1300	0.7700
50	नारायण मोहनलाल	423/4	निजी	0.4300	0.0570
51	रुक्मणी शंकरलाल गोविंद गोपाल शंकरलाल	393	निजी	2.2200	0.0510
52	दिनेश सोनू नेंदराम	395	निजी	0.8400	0.2600
53	अवधरानी बेवा नत्थू सुरेश कैलाश संतोष नीलेश कुमार कृष्ण कुमार लीलाधर रेखारानी	396/2/1/1	निजी	0.5120	0.2580
54	कैलाश पिता ईश्वरदास	396/3	निजी	0.2400	0.0700
55	रामप्रसाद तुलसीराम तारारानी बेवा तुलसीराम ओंकार महेश पिता तुलसीराम भगवती देवी तुलसीराम सीताराम जुगलनाथ पिता गयाप्रसाद हरिबाई रामाबाई पुत्री गयाप्रसाद मनीष सोनू प्रकाश धर्मराज	397/2	निजी	0.5400	0.0310
56	ईश्वर प्रसाद मानसिंह	397/1	निजी	0.9900	0.4360
57	नंदकिशोर पिता मंधत	398	निजी	0.5500	0.0490
58	हेमलता बेवा राजेन्द्र कुमार सुरेश शैलेन्द्र पिता राजेन्द्र कुमार दीप्ति राजेन्द्र कुमार	143/4	निजी	0.8500	0.1670
59	दीनदयाल पिता मैयालाल पिता काछी	400	निजी	1.1600	0.0520
60	रुक्मणी शंकरलाल गोविंद गोपाल शंकरलाल	401	निजी	0.3700	0.3790
61	शिवलाल पिता काशीराम	128/3/1	निजी	0.6000	0.2350
62	गणेश पिता काशीराम	128/4	निजी	0.8000	0.0720
63	भुवानी पिता काशीराम	128/2	निजी	0.8000	0.3700
64	मुकेश चन्द कुमार राजू परषोतम	129/1	निजी	1.6700	0.0550
65	परषोत्तम भैया समलाल	125/2	निजी	1.5700	0.0320
66	रश्मि कमलेश	125/1/1	निजी	0.1900	0.0320
67	कौशल किशोर रामप्रताप	125/1/2	निजी	0.1900	0.0310
68	ब्रजेश कुमार भगवानदास	125/3/1	निजी	0.7690	0.0330
69	रागनी राकेश	82/2	निजी	1.6700	0.0160
70	राजेश कुमार सत्यनारायण	82/3	निजी	1.680	0.5260
71	मनीष कुमार सत्यनारायण	82/4	निजी	1.6500	0.4460
72	हरीराम दयाराम	76/2/1	निजी	0.6000	0.1830
73	बनखडी गनू	83/2	निजी	1.5900	0.8320
74	तुलसीराम छोटेलाल	83/3/2	निजी	0.8000	0.0100
75	सुरेन्द्र सिंह नरेन्द्र सिंह हरीसिंह सिंगारानी हरीसिंह	75	निजी	0.9400	0.3110
76	सुरेन्द्र सिंह नरेन्द्रसिंह हरीसिंह सिंगारानी हरीसिंह	69/2	निजी	1.0000	0.4900
77	नरेन्द्र सिंह सुरेन्द्रसिंह हरीसिंह सिंगारानी हरीसिंह	71/2	निजी	0.1200	0.0090
78	नरेन्द्र सिंह हरीसिंह	68	निजी	1.1200	0.0430
79	सविता सिंह उर्फ रेखा सिंह विजय सिंह	66/1	निजी	1.6600	0.6520
80	राजा सिंह पिता विजय सिंह	65/1	निजी	1.6300	0.1210
81	सुरेन्द्र सिंह हरीसिंह सिंगारानी हरीसिंह	65/2	निजी	3.0000	0.4700
82	ओमाबा सिंह पिता अर्जुन सिंह	55	निजी	0.2300	0.0830
83	सोनाली पिता राजकुमार ,सौरभ पिता राजकुमार श्वेता पिता राजकुमार	512/6	निजी	0.540	0.0870
84	मदनगोपाल पिता काशीराम	512/7	निजी	0.3400	0.0470
85	रूपरानी पति परषोत्तम	129/2	निजी	0.8300	0.1750
86	साधना पुत्री बाबूलाल सुनील दशरथ प्रसाद दामोदर पिता रामनारायण कन्हैयालाल पिता हरीभजन गणेश मालती नरेंद्र महेश पिता दामोदर मालती बेवा उम्मेद मनीषा पिता उम्मेद यशवंत हरिकृष्ण पिता उम्मेद राम्रू पिता दयाराम राकेश कुमार पिता गणेश प्रसाद	504/1/1/1/2	निजी	0.0230	0.0010
87	पवन वर्षा पिता प्रकाश पंकज वर्षा पिता प्रकाश	588/1	निजी	1.60	0.4760
88	प्रिया पंकज	588/1/1	निजी	0.10	
89	अभिलाषा पिता पवन	588/1/2	निजी	0.10	
90	खिलकेश बेगम पिता कलाम खान	588/2	निजी	1.27	
91	कलाम खान पिता जलील खान	588/3	निजी	0.80	
92	नरेंद्र पिता ओमकार प्रसाद	588/4	निजी	0.42	
93	आभा पिता वीरेंद्र कुमार भार्गव	588/5	निजी	1.80	
94	कलाम खान पिता जलील खान	588/6	निजी	0.40	
95	कलाम खान पिता जलील खान	588/7	निजी	0.60	
96	जागेश्वर प्रसाद पिता लक्ष्मीनारायण	588/8	निजी	0.50	
97	जमीला पिता अब्दुल जलील खान	588/9	निजी	0.36	
98	जमीला पिता अब्दुल जलील खान	588/10	निजी	0.24	
99	आभा पिता वीरेंद्र कुमार भार्गव	588/11/1	निजी	0.90	
100	आभा पिता वीरेंद्र कुमार भार्गव	588/11/2	निजी	0.10	
101	आभा बेवा वीरेंद्र सौरभ गौरभ पिता वीरेंद्र सुप्रिया वीरेंद्र भार्गव	588/12	निजी	0.40	
102	सेहरिश पिता कलाम	588/13	निजी	0.64	
103	कन्हैयालाल पिता राजाराम	588/14	निजी	0.40	
104	खिलकेश बेगम पिता कलाम खान	588/15	निजी	0.84	
105	खिलकेश बेगम पिता कलाम खान	588/16	निजी	0.16	
106	कन्हैयालाल पिता राजाराम	588/17	निजी	0.40	
		कुल योग		95.915	12.7049

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक-एफ 16-15-(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29.09.2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के पृष्ठ क्रमांक-2895 पर प्रकाशन किया गया है के द्वारा प्रत्येक जिले में डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा और उसके सेवकों, कर्मकारों या उसके निर्देशों के अधीन कार्य करने वाले किसी अन्य व्यक्ति को उस जिले के भीतर अधिनियम की धारा 12 के उपबंधों को क्रियान्वित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है। अत: उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी, भू-अर्जन शाखा सागर को अधिनियम की धारा 12 द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिये निर्देशित किया जाता है। अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा संभागीय प्रबंधक म.प्र. रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर, प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा जिला सागर के निर्देशन में कार्य करते हुये आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक-एफ 16-15-(7)-2014-सात-शा, 2ए भोपाल दिनांक 29/9/2014 जिसका मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 3/10/14 के पृष्ठ क्रमांक-2895 पर प्रकाशन किया गया है के द्वारा अधिनियम की धारा 43 की उपधारा (1) के तहत भू-अर्जन शाखा के प्रभारी अधिकारी जो डिप्टी कलेक्टर से अनिम्न श्रेणी का होगा को पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है। अत: प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा जिला सागर अधिनियम की धारा 16 के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन स्कीम तैयार कर प्रस्तुत करेंगे। इस कार्य में अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा समुचित सहयोग करेंगे एवं संभागीय प्रबंधक म.प्र. रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन सागर समुचित सहयोग करेंगे एवं प्रशासक के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुऐ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करेंगे।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी बिल्लंगम सृजित नहीं करेगा।

अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित **इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर** किसी भी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर के समक्ष (कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, रहली में) आक्षेप, यदि कोई हो, फाइल किए जा सकेंगे।

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी रहली तथा संभागीय प्रबंधक म.प्र. रोड डेव्लपमेंट कार्पोरेशन संभाग सागर कार्यालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
हस्ता./- (प्रतिभा पाल)
कलेक्टर जिला सागर एवं पदेन अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

म.प्र. माध्यम/127321/2026

सार समाचार

बांद्रा-सहरसा एक्सप्रेस के ब्रेरक से निकला धुआं

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल से गुजर रही बांद्रा-सहरसा एक्सप्रेस में उस समय हड़कंप मच गया, जब चलती ट्रेन के एक कोच के ब्रेक शू से तेज चिंगारियां निकलने लगीं। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारियों ने तत्काल ट्रेन को रुकवाकर तकनीकी जांच की और खराबी दूर करने के बाद ही ट्रेन को आगे रवाना किया। समय रहते खराबी पकड़ में आने से संभावित बड़ा हादसा टल गया। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेन बांद्रा सहरसा 22913 हमसफर एक्सप्रेस के पहिए में चिंगारी निकलने की सूचना पर उप स्टेशन प्रबंधक भेड़ाघाट ए के सिंह ने बताया कि ट्रेन क्रमांक 22913 के गार्ड द्वारा सूचना दी गई की भिटोनी एवं भेड़ाघाट के मध्य पीछे जनरल कोच में पहिए का ब्रेक लॉक जाम हो गया था जिससे हिट होने के कारण उससे धुआं, चिंगारी निकल रही थी बाद गाड़ी को गार्ड द्वारा रोका गया एवं स्वयं गार्ड द्वारा ब्रेक लॉक को रिलीज किया गया। उक्त घटना में किसी भी प्रकार की रेलवे संपाि को नुकसान या अन्य कोई यात्री असुविधा नहीं हुई।

वन विभाग ने क्षेत्र में मिट्टी उत्खनन कर परिवहन करता ट्रैक्टर पकड़ा

छतरपुर। मुख्य वन संरक्षक छतरपुर नरेश यादव के निर्देशन में वन मंडलाधिकारी छतरपुर ऋषि मिश्र एवं उप वनमण्डल अधिकारी नरेश चंद्र पाटीदार के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र सहायक नौगांव प्रशिक्षु वन क्षेत्रपाल अतुल पटेल के हमराह वन अमले के द्वारा बीट गंगवाहा में अर्जुन ताल नामक स्थल पर एक महिंद्रा ट्रैक्टर मिट्टी उत्खनन कर परिवहन करता हुआ जप्त किया गया। मौके कर मिले ट्रैक्टर ड्राइवर भूपेंद्र कुशवाहा तनय राजाराम कुशवाहा निवासी इमलहा की निशानदेही पर मिट्टी को रेत के रूप में फिल्टर करने के लिए पास में ही छिपा कर रखे गए डीजल पंप को भी जप्त किया गया. जप्ती की कार्यवाही में वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

युवक गहरी खाई में गिरा 24 घंटे बाद मिला शव

पन्ना। पन्ना जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बृहस्पति कुंड में सेल्फी लेते समय एक युवक गहरी खाई में गिर गया। घटना के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन युवक का पता नहीं चल सका। करीब 24 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद सोमवार को उसका शव जलकुंड से बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सुखेंद्र उर्फ छोटू, निवासी राजगढ़ (थाना बृजपुर) के रूप में हुई है। वह रविवार को अपने पांच साथियों के साथ बृहस्पति कुंड घूमने आया था। इसी दौरान फोटो और सेल्फी लेते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सैकड़ों फीट गहरे जलकुंड में गिर गया। घटना के बाद साथियों ने तत्काल स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी।

धोतकी में अवैध प्लास्टिक उद्योग पर प्रशासन का बडा एक्शन

बिना अनुमति संचालित आरआर पॉलिमर्स प्लास्टिक ग्रेन्यूल फैक्ट्री सील

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सौंसर

ग्राम धोतकी स्थित मध्य भारत आयुर्वेदिक अस्पताल के समीप संचालित एक प्लास्टिक ग्रेन्यूल निर्माण इकाई पर रविवार को मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीम ने बडी कार्यवाही करते हुये फैक्ट्री को सील कर दिया। ग्रामीणों द्वज्ञरा लगातार प्रदूषण, तीव्र दुर्गंध एवं स्वास्थ्य संबंधी शिकायतें किये जाने के बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुचकर निरीक्षण किया। जिसमें उद्योग का संचालन आवश्यक वैधानिक अनुमति के बिना पाये जाने पर कार्यवाही की गई। ग्रामीणों का आरोप था कि, फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं और प्लास्टिक गलाने की दुर्गंध के कारण आसपास का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। सबसे अधिक परेशानी मध्यभारत आयुर्वेदिक अस्पताल में उपचार के लिये आनेवाले मरीजो, चिकित्सकों एवं आसपास रहनेवाले नागरिकों को हो रही थी। लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता लेंते हुयें प्रशासन ने संयुक्त निरीक्षण का निर्णय लिया।

निरीक्षण में खुली नियमों की अनदेखी

संयुक्त जांच के दौरान मैसर्स आर आर पॉलिमर्स द्वारा प्लास्टिक कचरे से ग्रेन्यूल निर्माण का कार्य किया जाना पाया गया। प्रांरभिक जांच में यह सामने आया कि, इकाई का संचालन आवश्यक वैधानिक अनुमति, ग्राम सभा की अनापत्ति एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी आवश्यक प्रक्रियाओं के अनुरूप नही किया जा रहा था। इसके बाद अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से फैक्ट्री को सील कर दिया। वही फैक्ट्री परिसर में प्लास्टिक क्रशर मशीन, डाई मशीन सहित बडी मात्रा में प्लास्टिक कच्चा माल एवं तैयार ग्रेन्यूल पाये गये। पूरे घटनाक्रम का पंचनामा तैयार कर आगे की वैधानिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। इस कार्यवाही में प्रदूषण नियंत्रण बोड की ज्ञानेश्वरी महोबिया, एलडीसी राकेश स्थापक, तहसीलदार भावना लगाम, पटावारी सहित राजस्व विभाग का अमला उपस्थित था।

एसडीएम कोर्ट में बाबू की मनमानी

अधिवक्ता ने ई-मेल से कलेक्टर व कमिश्नर को भेजी शिकायत

जमानत के बाद भी 24 घंटे से अधिक जेल में रहा व्यक्ति

स्वदेश ज्योति संवाददाता, चंदेरी

एसडीएम न्यायालय, चंदेरी में जमानत स्वीकृत होने के बावजूद रिहाई आदेश समय पर जारी नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में एक अधिवक्ता ने ई-मेल के माध्यम से जिला कलेक्टर अशोकनगर, आयुक्त ग्वालियर संभाग तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायत भेजकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, राजपाल सिंह लोधी, निवासी ग्राम गोरा कला, को 31 जुलाई 2026 को जेल भेजा गया था। इसके बाद 01 अगस्त 2026 को लगभग दोपहर 12 बजे एसडीएम न्यायालय, चंदेरी द्वारा उनकी जमानत स्वीकार कर ली गई। आरोप है कि इसके बावजूद न्यायालय में पदस्थ बाबू द्वारा रिहाई आदेश समय पर तैयार कर जेल नहीं भेजा गया, जिसके कारण उनकी वास्तविक रिहाई 02 अगस्त 2026 को शाम लगभग 7 बजे हो सकी। इससे उन्हें 24 घंटे से अधिक अतिरिक्त समय तक जेल में निरुद्ध रहना पड़ा। अधिवक्ता ने अपनी शिकायत में कहा है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न्यायालयीन कार्य में गंभीर लापरवाही का मामला है। शिकायत में न्यायालय के आदेश, डिस्पैच रजिस्टर, रिहाई आदेश तथा जेल अभिलेखों की जांच कर जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की मांग की गई है। ई-मेल के माध्यम से भेजी गई शिकायत में यह भी अनुरोध किया गया है कि भविष्य में जमानत आदेशों के पालन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो, ताकि किसी भी नागरिक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता प्रभावित न हो। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले की जांच के बाद ही वास्तविक तथ्यों और जिम्मेदारी का निर्धारण होगा।

इनका कहना

अभी में ग्वालियर में हूँ, आपके द्वारा जानकारी मेरे संज्ञान में लाई गई है इस मामले को में दिखवाता हूं यदि कार्य में गंभीर लापरवाही बरती गई है तो जांच कर अवश्य कारवाही करूंगा।

मनीष धनगर, एसडीएम चंदेरी, जिला अशोकनगर

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

ढाई लाख रुपये के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सीहोर

अवैध मादक पदार्थों और नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गंज इलाके में दबिश देकर एक बुजुर्ग आरोपी के पास से करीब 12 किलो 750 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित बाजार कीमत लगभग ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 2 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गंज क्षेत्र के वंशकार मोहल्ला निवासी ताराचंद राठौर अपने मकान में गांजे की छोटी-छोटी पुडिया बनाकर बेचने का अवैध धंधा कर रहा है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और पुलिस टीम गठित कर तुरंत मौके पर दबिश दी गई। पुलिस टीम ने मौके से ताराचंद राठौर पिता स्व. लालचंद राठौर निवासी कोली मोहल्ला गंज को रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 12 किलो 750 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

आरोपी के पास से अवैध मादक पदार्थ मिलने पर पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस थाने लाकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

अधिकारियों के मार्गदर्शन में हुई कार्रवाई

बता दें यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना के निर्देशों के पालन में की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं नगर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिनंदना शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली रवीन्द्र यादव और उनकी टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

फिर टली ओबीसी आरक्षण पर सुनवाई, अब 18 को होगी सुनवाई

जबलपुर। मप्र उच्च न्यायालय में प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई एक बार फिर आगे बढ़ गई है। एक घंटे तक चली बहस के दौरान यह बताया गया कि इस मुद्दे में अहम याचिका सुप्रीम कोर्ट लंबित है। जिसके बाद हाईकोर्ट ने सुनवाई की तारीख टालते हुए अगल सुनवाई 18 अगस्त को तय की है। अब दोनों पक्ष सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिका की जल्द सुनवाई कराने की कोशिश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही हाईकोर्ट में इस मामले पर आगे की कार्रवाई होगी। सुनवाई शुरु होने से पहले जस्टिस विवेक अग्रवाल ने खुद इस मामले से जुड़ा एक अहम तथ्य रिकॉर्ड पर रखा। उन्होंने बताया कि सी.पी. माथुर मामले में वह पहले याचिकाकर्ताओं की ओर से केंद्रीय और राज्य प्रशासनिक अधिकरण, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट में भी अधिवक्ता के रूप में पेश हो चुके हैं। इसके बाद दोनों पक्षों से इस पर राय मांगी गई। राज्य सरकार और याचिकाकर्ताओं, दोनों ने साफ कहा कि उन्हें जस्टिस विवेक अग्रवाल की सुनवाई पर कोई आपत्ति नहीं है। दोनों पक्षों ने पीठ पर पूरा भरोसा जताया। इसके बाद न्यायालय ने सभी की सहमति से मामले की सुनवाई आगे बढ़ाई।

बहस के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने साल 2025 के नियमों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इन नियमों के प्रस्तावना में सुप्रीम कोर्ट में लंबित एसएलपी नंबर 13954/2016 का भी उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले (प्रमोशन में आरक्षण का मामला) में सुप्रीम कोर्ट ने 12 मई 2016 को यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने भी माना कि सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने के बाद ही यह तय होगा कि साल 2025 के नियमों का असर किस तरह पड़ेगा।

7 दिन में कराहल पुलिस का बड़ा एक्शन

4.50 लाख का चोरी गया ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद

शिवपुरी के बिलकुची जंगल में लगातार दबिश के बाद मिली सफलता, एसपी मोती उर रहमान के निर्देशन में कराहल पुलिस की प्रभावी कार्रवाई

स्वदेश ज्योति संवाददाता, श्योपुर

जिले की कराहल थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई का शानदार उदाहरण पेश करते हुए महज सात दिनों के भीतर चोरी गए सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली को बरामद कर लिया। करीब 4.50 लाख रुपये कीमत का यह वाहन शिवपुरी जिले के पोहरी थाना क्षेत्र के बिलकुची जंगल से बरामद हुआ। पुलिस की लगातार दबिश से घबराए बदमाश ट्रैक्टर-ट्रॉली जंगल में छोड़कर फरार हो गए। अब पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार तलाश कर रही है। यह सफलता पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया तथा एसडीओपी बड़ौदा अवनीत शर्मा के मार्गदर्शन में मिली। थाना प्रभारी निरीक्षक भारत सिंह गुर्जर के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी जानकारी, मुखबिर तंत्र और लगातार दबिश के जरिए मामले का तेजी से खुलासा किया। पुलिस के अनुसार ग्राम पनार निवासी सुरेश पुत्र किशन पटेलिया (33 वर्ष) ने 27 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी कि 25-26 जुलाई की रात गुरुद्वारे के सामने खड़ा उसका सोनालिका ट्रैक्टर ट्रॉली सहित अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। शिकायत पर थाना कराहल में अपराध क्रमांक 82/26 के तहत धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान 2 अगस्त को मुखबिर से महत्वपूर्ण सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने शिवपुरी जिले के पोहरी थाना क्षेत्र स्थित बिलकुची जंगल में लगातार दबिश दी। पुलिस की घेराबंदी की भनक लगते ही आरोपी ट्रैक्टर-ट्रॉली वहीं छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से वाहन को सुरक्षित जब्त कर लिया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भारत सिंह गुर्जर, उप निरीक्षक बृजराज सिंह यादव, सहायक उप निरीक्षक बृजेश राजौरिया, प्रधान आरक्षक महावीर सिंह, हेमंत रावत, अंसार खान, आरक्षक बृजमोहन गुर्जर, पवन कटारे, विकास शर्मा तथा आरक्षक चालक खालिद खान की सराहनीय भूमिका रही।

पेज 1 का शेष

चुनाव आयोग पर लांछन लगाने वालों के लिए आत्ममंथन का दिन

यदि हर बार भाजपा की जीत चुनाव आयोग की वजह से होती है, तो फिर भाजपा की हार का कारण क्या माना जाएगा? क्या तब भी चुनाव आयोग पक्षपाती है, या केवल वही परिणाम स्वीकार्य हैं जो किसी विशेष दल के पक्ष में हों? लोकतंत्र में ऐसी सुविधा नहीं हो सकती कि जीत को जनता का जनादेश और हार को संवैधानिक संस्थाओं की साजिश घोषित कर दिया जाए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संस्थाओं की विश्वसनीयता होती है। चुनाव आयोग उन्हीं संस्थाओं में से एक है, जिस पर देश के करोड़ों मतदाता अपने मत की सुरक्षा और निष्पक्ष गणना का भरोसा करते हैं। विश्व के अनेक देश भारतीय चुनाव व्यवस्थाओं को अपने देश में लागू करने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। यदि राजनीतिक दल बिना ठोस प्रमाण के बार-बार उसकी साख पर प्रहार करेंगे, तो सबसे बड़ा नुकसान किसी दल का नहीं, बल्कि लोकतंत्र का होगा। जनता के मन में यदि चुनावी प्रक्रिया के प्रति अविश्वास पैदा हो गया, तो उसका दुष्परिणाम पूरे लोकतांत्रिक ढांचे को भुगतना पड़ेगा।

यह भी ध्यान रखने योग्य है कि चुनाव आयोग कोई एक व्यक्ति नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत कार्य करने वाली संस्था है। उसके प्रत्येक निर्णय की न्यायिक समीक्षा का मार्ग खुला रहता है। यदि किसी दल के पास वास्तव में चुनावी अनियमितताओं के प्रमाण हैं, तो उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए। लेकिन हर चुनाव के बाद केवल राजनीतिक बयान देना और संस्था की नीयत पर प्रश्नचिह्न लगा देना लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक नहीं कहा जा सकता। दतिया और बांकीपुर के परिणाम कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष के लिए आत्ममंथन का अवसर हैं। यदि जनता ने अपेक्षित समर्थन नहीं दिया, तो उसके पीछे संगठन की कमजोरी, स्थानीय नेतृत्व, उम्मीदवार का चयन, चुनावी रणनीति या जनसंपर्क जैसे अनेक कारण हो सकते हैं। लोकतंत्र में आत्मविश्लेषण से बचने के लिए संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करना न तो राजनीतिक दृष्टि से लाभकारी है और न ही लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित। भारतीय लोकतंत्र की ताकत उसकी स्वतंत्र संस्थाओं में निहित है। इन संस्थाओं की आलोचना अवश्य होनी चाहिए, लेकिन वह प्रमाण, तर्क और मर्यादा के आधार पर होनी चाहिए। दतिया और बांकीपुर के उपचुनावों ने कम से कम इतना तो स्पष्ट कर ही दिया है कि चुनाव परिणाम हर बार किसी एक दल की इच्छा के अनुरूप नहीं आते। इसलिए अब समय आ गया है कि चुनाव आयोग पर निराधार आरोप लगाने की राजनीति से आगे बढ़कर राजनीतिक दल जनता के बीच अपने विश्वास और संगठन को मजबूत करने पर ध्यान दें। यही लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा भी है और राजनीतिक परिपक्वता की पहचान भी।

SWADESH JYOTI, SAGAR: आर.एन.आई. रॉज. क्र. MP/HIN/2000/5090 डाक पं. क्र. म.प्र./सागर/48/2002 स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र शर्मा द्वारा श्री राधिका प्रकाशन प्रा. लि. के लिये 'स्वदेश भवन' 26-ए, प्रेस काम्प्लेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल से मुद्रित एवं 'स्वदेश ज्योति' संजय अग्रवाल बिल्डिंग, सिविल लाइन, सागर-470001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : राजेन्द्र शर्मा, सम्पादक- अक्षत शर्मा, (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ई-मेल : swadeshjyotii@gmail.com इंटरनेट संस्करण : www.swadeshjyoti.com फोन : 07582-222123